नई दिल्ली
शनिवार
05 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 02
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों के लिए अंतिम...पेज-06

DELHIN/2014/58158

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई...पेज-05

एक नजर

दिल्ली पुलिस ने सीजेपी को स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी का दिया आश्वासन

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार के साथ हुई कथित मारपीट के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को अपने प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका के नेतृत्व में संसद मार्ग थाने का घेराव कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान पार्टी समर्थकों के साथ नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद और सांसद पप्पू यादव भी मौजूद रहे।

सीजेपी नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने मामले में दर्ज प्राथमिकी में हत्या के प्रयास धारा-307 और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति एक्ट की धाराएं जोड़ने का भरोसा दिया है। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद को सोशल मीडिया पर मिल रही दुष्कर्म, तेजाब हमले और जान से मारने की धमकियों के खिलाफ भी पुलिस ने अलग से एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया है। वहीं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी के सार्वजनिक रूप से वीडियो इंटरव्यू देकर हमले की बात स्वीकारने के बावजूद उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया। इससे पहले पुलिस ने दावा किया था कि संजय कुमार को सिर में साधारण चोट आई थी और सिर में फ्रैक्चर (हड्डी टूटने) का दावा गलत है। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय स्वतंत्र भारद्वाज और सूरज कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड़ दिया गया था। पुलिस से मिले आश्वासन के बाद छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद ने उम्मीद जताई कि इस बार निष्पक्ष कार्रवाई होगी। हालांकि, सीजेपी के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि दिए गए समय (72 घंटे) के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे दोबारा थाने पहुंचकर बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 740.80 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच जीडीपी के बाद अब विदेशी मुद्रा भंडार ने नया रिकॉर्ड बनाया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 11.47 अरब डॉलर उछलकर 740.80 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इसके एक हफ्ते पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.39 अरब डॉलर रहा था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड था। इससे पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के तत्कालीन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट और बढ़े तनाव के बीच कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक ने जून में रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली (एफसीएनआर) पहल की घोषणा की थी, जिसके बाद से भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। स्थानीय मुद्रा में तेज गिरावट के बीच शुरू की गई इस पहल से 132 अरब डॉलर से अधिक का नया प्रवाह आया है। आंकड़ों के मुताबिक 28 अगस्त को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.34 अरब डॉलर की उछाल के साथ अब 600.67 अरब डॉलर हो गईं।

श्रद्धा, भक्ति के माहौल में हर्षोल्लास के साथ देशभर में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार

नई दिल्ली,एजेंसी। जन्माष्टमी के पर्व पर शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों में लोग कृष्ण भक्ति में लीन और हर्षोल्लास में नजर आये। हिंदू पंचांग के मुताबिक यह पर्व भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की आठवीं तिथि को मनाया जाता है। महाभारत पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के एक कारागार में हुआ था, जहां उनके माता-पिता देवकी और वासुदेव को तत्कालीन शासक कंस ने बंदी बनाकर रखा था। जन्माष्टमी के मौके पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं, कृष्ण के बाल रूप का श्रृंगार करते हैं और उन्हें माखन, मिश्री, तुलसी पत्ते जैसी प्रिय वस्तुएं अर्पित करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा भक्ति के अनूठे रंगों में सराबोर नजर आयी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को बहुत आकर्षक तरीके से सजाया गया। मंदिर के मुख्य गर्भगृह को चांदी की परतों से सजाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य गर्भगृह में विराजमान 'लला' (बाल कृष्ण) के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। वह काफी देर तक गर्भगृह की छटा और बाल गोपाल के स्वरूप को निहारते रहे। देश-विदेश से श्रद्धालु इस मौके पर मथुरा पहुंचे हैं। इस पर्व पर वृंदावन के सजे-धजे बांके बिहारी मंदिर की छटा देखते ही बनती है। पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मथुरा और वृंदावन के अन्य मंदिरों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी जन्माष्टमी का पावन पर्व भक्तिमय माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान कृष्ण और राधा की वेशभूषा में बच्चों ने अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया। मंदिरों और घरों के अलावा बाजारों में भी रौनक रही। यहां के बिड़ला मंदिर, इस्कॉन मंदिर, छतरपुर मंदिर तथा अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक संदेश में

देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और भगवान कृष्ण की कालजयी शिक्षाओं को याद करते हुए मानवता के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में निस्वार्थ कर्म पर ज़ोर दिया।

प्रयागराज में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन हर तरफ धूम रही। इस पावन पर्व पर शहर के इस्कॉन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। आज सुबह मंगला आरती के साथ ही इस्कॉन मंदिर के पट खोल दिये गये, जिसके बाद से ही लोग भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए कतारों में लगे रहे। जम्मू में श्री रघुनाथ मंदिर और रानी पार्क स्थित भगवान कृष्ण के प्रसिद्ध मंदिर में भक्त पूजा-अर्चना करने के लिए उमड़ पड़े। 'हरे राम, हरे कृष्ण' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की। त्योहार को देखते हुए सभी मंदिरों में सुरक्षा के खास इंतज़ाम किये गये थे। भगवान कृष्ण के रूप में तैयार बच्चों ने भी विभिन्न जगहों पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों और 'झांकियों' में हिस्सा लिया और महिलाओं ने 'भक्ति गीत' गाकर जश्न में बढ़-चढ़कर भाग लिया। छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थित मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। मंदिरों में सुबह से अभिषेक, विशेष श्रृंगार, भजन-कीर्तन और झांकी दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया। शहर के सिटी कोतवाली में भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की विशेष तैयारी की गयी। रायगढ़ और बिलासपुर में भी जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में विशेष आयोजन किये गये। सुबह से विभिन्न झांकियां सजायी गयीं। जो दो दिन तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रहेंगी। इन्हें देखने शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पंजाब के फगवाड़ा में जन्माष्टमी का पर्व धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्री गीता मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर, हनुमानगढ़ी, बालाजी मंदिर, श्री हनुमान मंदिर तथा श्री बाबा बालक नाथ मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों को फूलों, रंग-बिरंगी रोशनियों और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित धार्मिक झांकियों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जन्माष्टमी से एक दिन पूर्व फगवाड़ा में निकाली गयी विशाल शोभायात्रा ने भी पर्व के माहौल को और भक्तिमय बना दिया था।

विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और इसमें धार्मिक झांकियां तथा भक्ति प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जन्माष्टमी समारोह का एक विशेष आकर्षण ऐतिहासिक श्री सिंदूरा देवी मंदिर में पुरुष श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश खोला जाना रहा। इस मंदिर में वर्षभर पुरुषों के प्रवेश पर परंपरागत रूप से प्रतिबंध रहता है, जबकि जन्माष्टमी के दिन यह प्रतिबंध विशेष रूप से हटाया जाता है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में पुरुष श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। बिहार की राजधानी पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूर्ण भक्ति और श्रद्धा के माहौल में मनाया गया। इस मौके पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किये और प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष व अन्य ने देशवासियों को दी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व अन्य ने शुक्रवार को जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने कहा, 'जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मैं, देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। भगवान श्रीकृष्ण की जीवनलीला और उनके संदेश भारतीय संस्कृति और दर्शन को संजीवनी प्रदान करते हैं। उन्होंने सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और निष्काम कर्म का मार्ग दिखाया। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सभी भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने तथा एक समावेशी और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लें।' उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और संदेश मानवता को सत्य, धर्म, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस पावन अवसर पर आइए, भगवान श्रीकृष्ण की शाश्वत शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें और समाज में एकता, शांति एवं सद्भाव को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य संदेशों में निःस्वार्थ कर्म की अद्भुत प्रेरणा निहित है, जिसने मानवता का निरंतर मार्गदर्शन किया है। उनकी भक्ति और उपासना को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति का संचार करे, यही कामना है। जय श्रीकृष्ण!

देशभर में अगले 5-7 दिन भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर-पश्चिम क्षेत्र से लेकर दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्रों तक अगले 5-7 दिनों के दौरान कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी अगले तीन दिनों के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह से दोपहर से पहले तक कई जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। दोपहर से शाम के समय भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का एक और दौर हो सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29-31 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार को भी हल्की बारिश की संभावना है। राजधानी का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31-33 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को भी यही स्थिति बनी रहने का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआईर में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश होने से मौसम पहले से और अधिक सुहावना हो गया है। आईएमडी के मुताबिक उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों और उससे सटे दक्षिणी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने 'वेल मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के कारण पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 5 सितंबर को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 6-7 दिनों तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधि कम रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में 4-5 दिनों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। मध्य भारत के 6 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 5-8 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

एयर इंडिया ने फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट को बर्खास्त किया

मुंबई। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने शुक्रवार को फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट-इन-कमांड की सेवाएं समाप्त कर दीं है, जो ड्रग्स के इस्तेमाल के टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। एयर इंडिया ने आज एक बयान में बताया कि जांच में मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की सेवा समाप्त कर दी गई। विमानन कंपनी की ओर से यह घोषणा फुकेत फ़्लाइट की घटना की जांच करने वाली एजेंसी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट आने के कुछ घंटों बाद की गई है। एएआईबी की इस रिपोर्ट में कहा गया कि पायलट द्वारा मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर चिंता का विषय है और उसने विमान नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उचित कार्रवाई करने को कहा था। एएआईबी ने इस मामले की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आज जारी की है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश के बीच 9 उड़ानें डायवर्ट, 400 से ज्यादा उड़ानों में देरी

नई दिल्ली,एजेंसी। जन्माष्टमी पर दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के कारण इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर जलभराव देखने को मिला है। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है, जहां 9 फ्लाइट्स डायवर्ट हुई, जबकि 400 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित हुईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy.com पर मौजूद जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर 400 से ज़्यादा उड़ानें देरी से चलीं। इसके अलावा 9 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं हैं, जिनमें 4 उड़ानें जयपुर, 4 लखनऊ और एक उड़ान अहमदाबाद भेजी गई। ये सभी उड़ानें 3.30 बजे से 4.30 बजे के बीच दूसरी जगहों पर भेजी गईं।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आज अचानक काले बादल छा गए और कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई। इसके मद्देनजर मौसम विभाग ने देर शाम तक तेज हवाएं चलने और बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'रेड

अलर्ट' जारी किया है। जन्माष्टमी उत्सव के लिए बाहर निकले लोग अचानक हुई इस मूसलाधार बारिश की चपेट में आ गए। जैसे ही बारिश तेज हुई, सड़कों पर पानी भर गया, हर तरफ छतरियां नजर आने लगीं, जबकि लोग बचने के लिए आश्रयों की ओर भागते दिखे। दिल्ली में खराब मौसम की वजह से इंडिगो की उड़ानों पर भी असर पड़ा है। एयरलाइन ने कहा कि हम मौसम पर लगातार नज़र रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और आसानी से आपकी मंजिल तक पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। एयरलाइन ने एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले वेबसाइट http://t.co/nTbtymrMOX या ऐप पर अपनी फ़्लाइट का स्टेटस देखने की सलाह दी है। एयर इंडिया ने कहा कि खराब मौसम की वजह से आज दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों पर असर पड़ सकता है। ऐसे में यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले https://airindia.com/in/en/manage/flight-status.html पर उड़ान की ताज़ा जानकारी देख लेने का आग्रह किया गया है।

रेखा गुप्ता के निर्देश पर सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों की संख्या 22 से बढ़कर हुई 39

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर पहली बार राजधानी के सभी 39 सब-डिवीजनों में सब-रजिस्ट्रारों की नियुक्ति रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के जरिए की गई है।

सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से अपनाई गई इस प्रक्रिया में निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले अधिकारियों के समूह में से तकनीकी तरीके से चयन किया गया। पोस्टिंग की यह प्रक्रिया अतिरिक्त मुख्य सचिव (सेवाएं) की मौजूदगी में पूरी की गई। सरकार के मुताबिक, इसका उद्देश्य सब-रजिस्ट्रारों की तैनाती में पारदर्शिता और निष्पक्षता

सुनिश्चित करना है। दिल्ली में अब सभी 39 सब-डिवीजनों के अनुरूप 39 सब-रजिस्ट्रार कार्यालय होंगे। इससे पहले राजधानी में केवल 22 सब-रजिस्ट्रार कार्यालय थे। सरकार ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 17 नए सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को भी नोटिफाई किया है। इस व्यवस्था के बाद दिल्लीवासियों को अपने संबंधित क्षेत्र में ही सब-डिविजन और सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की सुविधा मिल सकेगी। इससे पंजीकरण और राजस्व से जुड़े कामों के लिए लोगों को दूर के कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होने की उम्मीद है। सरकार के अनुसार, सब-रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्ति के लिए ऐसे अधिकारियों के समूह का चयन किया गया, जो निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य, पर्याप्त शेष सेवा अवधि और विजिलेंस क्लियरेंस जैसे मानदंड शामिल रहे। कुछ अधिकारियों को सब-रजिस्ट्रार के पद पर बरकरार रखा गया, जबकि कुछ अधिकारियों को उनके मौजूदा कार्यभार से स्थानांतरित कर नई जिम्मेदारी दी गई।

प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री व अन्य ने देश के पहले पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 के सफल प्रक्षेपण पर जताई खुशी, इसरो की टीम को दी बधाई

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व अन्य ने देश के पहले इमेजिंग सैटेलाइट को जियो-ऑर्बिट में सफलतापूर्वक लॉन्च करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठनो (इसरो) की टीम को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि आज सुबह इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'इसरो की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गर्व का पल। भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट ईओएस-05 को जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च, भारत के स्पेस सेक्टर की उत्कृष्टता, इनोवेशन और बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है। इसरो और भारतीय इंडस्ट्री के बीच बढ़ती साझेदारी हमारे स्पेस प्रोग्राम को नई ताकत और विस्तार दे रही है, साथ ही पूरे स्पेस इकोसिस्टम में

भारत की क्षमताओं को बढ़ा रही है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के तौर पर, ईओएस-05 हमारी पृथ्वी-निरीक्षण क्षमताओं को मज़बूत करता है और अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती आधुनिकता को दर्शाता है। इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ती साझेदारी इनोवेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत कर रही है और अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए नए रास्ते खोल रही है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के लिए एक और बड़ी कामयाबी! ईओएस-05 एक अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है और जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। यह विजिबल, इन्फ्रारेड, मल्टी-स्पेक्ट्रल और हाइपर-स्पेक्ट्रल बैंड में एडवांस्ड इमेजिंग की सुविधा देता है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत की अंतरिक्ष क्षमताएं लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं और एक ग्लोबल स्पेस पावर के तौर पर देश की स्थिति मजबूत हो रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह कामयाबी भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिभा, सूझ-बूझ और लगातार बढ़ती क्षमताओं का सबूत है। इसरो और भारतीय इंडस्ट्री के बीच बढ़ता सहयोग अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ताकत और विस्तार दे रहा है, जिससे पूरे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमताएं और मजबूत हो रही हैं। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में विश्व-स्तरीय क्षमताएं विकसित करने की दिशा में भारत की लगातार प्रगति को दर्शाती है। साथ ही, यह उस उद्देश्य और महत्वाकांक्षा को भी दिखाती है जिसके साथ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ईओएस-05 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च, भारत की बढ़ती 'अर्थ ऑब्ज़र्वेशन' (पृथ्वी पर नज़र रखने की) क्षमताओं में एक और अहम उपलब्धि है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए सजेगी नई दिल्ली, 17 प्रमुख गोलचक्करों और 11 होटल परिसरों पर होगी सजावटी रोशनी

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। भारत मंडपम में 11 से 13 सितंबर तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 को लेकर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सम्मेलन के मद्देनजर वीआईपी मार्गों, प्रमुख सड़कों, बाजारों और प्रतिनिधियों के ठहरने वाले होटल क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, हरित विकास, रखरखाव और सजावटी प्रकाश व्यवस्था की जा रही है। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को कहा कि सम्मेलन के दौरान राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप 'विकसित भारत की विकसित नई दिल्ली' की झलक दिखाई देगी।

कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए नई दिल्ली को स्वच्छ, हरित, सुंदर और विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जा रहा है। सम्मेलन से पहले 17 प्रमुख गोलचक्करों, 11 होटल परिसरों और 10 प्रमुख एनडीएमसी भवनों पर सजावटी रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। इन सभी कार्यों के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं और स्थापना का काम शुरू हो गया है। सभी कार्य 9 सितंबर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने बताया कि 17 प्रमुख गोलचक्करों पर विद्युत सजावटी रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। इनमें पटेल चौक, विंडसर प्लेस, मंडी हाउस, शांतिपथ-कौटिल्य, शांतिपथ-पंचशील, शांतिपथ-सत्य मार्ग, आरएमएल, तीन मूर्ति, क्यू-पॉइंट, क्लेरिजेज होटल, सम्राट होटल, अशोका होटल, मेथी, लोक कल्याण मेट्रो स्टेशन, मान सिंह, यॉर्क प्लेस और पीएम गोलचक्कर शामिल हैं। चहल ने बताया कि कार्यक्रम से पहले 11 प्रमुख होटल परिसरों को भी सजावटी रोशनी से रोशन किया जाएगा। इनमें होटल ताज पैलेस, आईटीसी मौर्या, अशोका होटल, सम्राट होटल, द लीला होटल, ताज मानसिंह, क्लेरिजेज होटल, शांगरी-ला होटल, ले मेरिडियन और इम्पीरियल होटल सहित अन्य चिन्हित होटल परिसर शामिल हैं। इन होटलों के आसपास सड़कों पर लगे पेड़ों को भी सजावटी रोशनी से सजाया जाएगा। एनडीएमसी की 10 प्रमुख इमारतों और स्थलों को भी सजावटी रोशनी से रोशन किया जाएगा।

इनमें पालिका केंद्र, एनडीसीसी फेज-2, कन्वेंशन सेंटर, चंद्रलोक बिल्डिंग, आशीर्वाद वृद्धाश्रम, चरखा संग्रहालय, सेंट्रल पार्क एवं पालिका बाजार क्षेत्र, एएवी मंदिर मार्ग, लोकनायक भवन और चाणक्य भवन शामिल हैं। ब्रिक्स प्रतिनिधियों के आवागमन और ठहराव वाले प्रमुख मार्गों, होटल क्षेत्रों तथा बाजारों में विशेष सौंदर्यीकरण एवं सजावटी प्रकाश व्यवस्था की जा रही है। इन क्षेत्रों में स्वच्छता, हरित सौंदर्यीकरण, फूलों की सजावट और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम से जुड़े सभी मार्गों पर स्ट्रीट लाइटों का 100 प्रतिशत सत्यापन किया जा चुका है। सत्यापन के दौरान खराब पाई गई सभी लाइटों को बदल दिया गया है, जिससे सम्मेलन के दौरान प्रमुख मार्गों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 के मद्देनजर सड़कों पर लगे लगभग 350 बिजली पैनल बॉक्सों पर फ्लेक्स स्टिकर लगाकर उनका फेसलिफ्ट किया गया है। एनडीएमसी क्षेत्र में कुल 309 ब्रांडिंग साइट्स चिन्हित की गई हैं। इनमें 154 डिजिटल मीडिया स्क्रीन, 83 पीटीयू एवं सीटीयू फ्लेक्स साइट्स और 72 बस क्यू शेल्टर शामिल हैं। इन सभी ब्रांडिंग साइट्स पर स्थापना का काम पूरा हो चुका है। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए डिजाइन के अनुसार यह ब्रांडिंग की गई है। 15 प्रमुख स्थानों पर पुष्प-सज्जित बोर्ड और नौ स्थानों पर फूलों के फव्वारे लगाए जाएंगे। वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने और धूल एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पांच प्रमुख स्थानों पर विशेष मिस्ट स्प्रे की व्यवस्था की गई है। इनमें लोधी रोड, तिलक मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू, शांतिपथ और जाकिर हुसैन मार्ग शामिल हैं। आवश्यकता के अनुसार इन स्थानों पर नियमित रूप से मिस्ट स्प्रे किया जाएगा। डेलीगेट और वीआईपी मार्गों की कुल 41 प्रमुख सड़कों की सर्किलवार निगरानी की जा रही है। सड़कों, फुटपाथों और बस शेल्टरों की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है।

पात्र व्यक्ति 30 सितंबर तक फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं नाम

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्र जमा नहीं कर पाने वाले पात्र मतदाता अब भी अपना नाम सूची में शामिल करा सकते हैं। वे 30 सितंबर तक चल दावे और आपत्तियों के चरण में निर्धारित घोषणा पत्र और जरूरी दस्तावेजों के साथ फॉर्म-6 भर सकते हैं। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने ड्राफ्ट मतदाता सूची और अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट (एएसडीडी) सूची को लेकर प्रिंट और सोशल मीडिया में प्रकाशित खबरों में उठाए सवालों पर विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची 31 अगस्त को प्रकाशित की गई थी।

कार्यालय के अनुसार, 30 जून से 17 अगस्त तक बीएलओ ने घर-घर जाकर पहले से छपे हुए गणना प्रपत्र वितरित किए और मतदाताओं का सत्यापन किया। इस दौरान जो मतदाता अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले या वहां से स्थानांतरित पाए गए, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एएसडीडी श्रेणी में रखा गया। बीएलओ ने घर-घर सत्यापन शुरू करने से पहले बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को इसकी जानकारी दी थी और उनके साथ समय-समय पर बैठकें भी की थीं। कार्यालय ने कहा कि किसी मतदाता को केवल अनुमान के आधार पर 'स्थानांतरित' नहीं माना गया है। घर-घर सत्यापन के दौरान इसकी पुष्टि होने के बाद ही उसे इस श्रेणी में रखा गया। बीएलओ से मिली जानकारी के आधार पर एएसडीडी मतदाताओं की सूची भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रारूप में ईसीआई-नेट के माध्यम से तैयार की गई और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र निर्धारित समय में नहीं मिल सके, उन्हें पांच श्रेणियों में रखा गया है। इनमें मृत्यु, अप्राप्य या अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, पहले से नामांकित और अन्य श्रेणी शामिल हैं।

किसी मतदाता को किसी खास कारण से संबंधित श्रेणी में रखने की जानकारी के लिए बीएलओ की ओर से अपलोड की गई बैठकों की कार्यवृत्त देखी जा सकती है। एएसडीडी सूची में शामिल मतदाताओं के पते उपलब्ध नहीं कराए जाने के आरोपों पर कार्यालय ने कहा कि राजनीतिक दलों की ओर से मतदान केंद्र स्तर पर नियुक्त बीएलए-2 को बीएलओ के साथ हुई बैठकों में संबंधित मतदाताओं के पते नोट करने के लिए कहा गया था। राजनीतिक दलों को पत्र भेजकर अपने बीएलए को बीएलओ से संपर्क कर एएसडीडी सूची में शामिल मतदाताओं के पते लेने के निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया था।

विजेंद्र गुप्ता ने लोधी श्मशान घाट पहुंचकर न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को लोधी श्मशान घाट पर न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा के अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा का निधन दिल्ली के सार्वजनिक जीवन और न्याय व्यवस्था के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका विशिष्ट न्यायिक जीवन सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिपूर्ण रहा। दिल्ली के लोकायुक्त के रूप में उनका योगदान सदैव गहरे सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर इस दु:ख की घड़ी में अपनी गहरी संवेदनाएं एवं एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने न्यायमूर्ति मिश्रा की विशिष्ट न्यायिक सेवाओं तथा न्याय, सत्यनिष्ठा और सार्वजनिक जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्मरण किया।

विजेंद्र गुप्ता ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि 27 मार्च 1959 को जन्मे न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश थे और उन्होंने उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी सेवाएं दी थीं।

नितिन नवीन ने दिल्ली के इस्कॉन मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पूर्वी कैलाश स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद नितिन नवीन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हम सभी के आराध्य हैं। वे सदैव इस राष्ट्र, इसकी सनातन परंपराओं और संस्कृति के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी भारतीयों, समस्त हिंदू समाज और सनातन परंपरा के अनुयायियों पर बनी रहे तथा देश में सदैव सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण कायम रहे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद से भारत निरंतर प्रगति और वैभव के पथ पर आगे बढ़ता रहे तथा विश्व में वही गौरव प्राप्त करे, जैसा उसने अपने स्वर्णिम अतीत में किया था।

शिक्षा समिति के चुनाव में योगेश वर्मा अध्यक्ष और अमित खड़खड़ी उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी योगेश वर्मा एडवोकेट को अध्यक्ष और अमित खड़खड़ी को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। आम आदमी पार्टी की ओर से दोनों पदों के लिए कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया था। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद शिक्षा समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष योगेश वर्मा एडवोकेट ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया है, जिसके लिए वह नेतृत्व के आभारी हैं। योगेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के करीब 1500 प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और विद्यालयों के शैक्षणिक एवं भौतिक स्तर में सुधार के लिए भी कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में कई नए और महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिससे निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल स्कूलों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और समान अवसर उपलब्ध कराना है। योगेश वर्मा ने कहा कि निगम के स्कूलों में पढ़ने वाला प्रत्येक बच्चा उनकी जिम्मेदारी है और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने अपने निर्विरोध निर्वाचन पर पार्टी कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, शिक्षा समिति के सदस्यों और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। वहीं, नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अमित खड़खड़ी ने भी पार्टी नेतृत्व एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए शिक्षा समिति के अध्यक्ष के साथ मिलकर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने का विश्वास दिलाया।

दो-तीन घंटे की बारिश ने खोली भाजपा सरकार के दावों की पोल, त्योहार की छुट्टी में भी दिल्ली जाम

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को हुई दो-तीन घंटे की बारिश ने जलभराव और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार के दावों की पोल खोल दी। बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया, जिसके चलते यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। त्योहार की छुट्टी होने के बावजूद कई प्रमुख मार्गों पर भारी जाम की स्थिति बनी रही और लोगों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने जलभराव और ट्रैफिक जाम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार मानसून से पहले नालों की सफाई, जल निकासी और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन महज कुछ घंटे की बारिश में उन दावों की हकीकत सामने आ जाती है। यादव ने कहा कि 'अगर त्योहार की छुट्टी के दिन दो-तीन घंटे की बारिश में दिल्ली का यह हाल है, तो सामान्य कार्यदिवस में राजधानी की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि जलभराव वाले संवेदनशील इलाकों की पहचान और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था को लेकर सरकार गंभीर नहीं है।

नालों की सफाई पर खर्च का असर जमीन पर क्यों नहीं ?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि मानसून से पहले नालों और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई पर खर्च किए गए पैसे का असर जमीन पर क्यों दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बारिश के दौरान दिल्लीवासियों को जलभराव, ट्रैफिक जाम और बदहाल सड़कों की समस्या से जूझना पड़ता है, लेकिन सरकार समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय केवल दावे करती है। देवेंद्र यादव ने कहा कि मानसून खत्म होने के कगार पर है, लेकिन दिल्ली सरकार अब भी नहीं जागी है। उन्होंने कहा कि राजधानी के लोगों को हर बारिश में जलभराव और जाम की समस्या झेलने के लिए मजबूर करना गंभीर प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने भाजपा सरकार से बयानबाजी से बाहर निकलकर जलभराव वाले इलाकों के लिए स्थायी ड्रेनेज व्यवस्था, नालों की प्रभावी सफाई और ट्रैफिक प्रबंधन की ठोस योजना लागू करने की मांग की।

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान घटित मामले पर पुलिस के खिलाफ संसद मार्ग थाने पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल निशू आजाद के पिता संजय पर हुए हमले और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर विभिन्न समूहों ने धरना दिया। इस धरने में कांग्रेस, निर्दलीय सांसद, पप्पू यादव, वाम दलों के छात्र नेता एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ता शामिल हुए। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पीड़िता निशू आज़ाद और उनके समर्थकों के साथ वहां बैठे।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि निशू आजाद के पिता पर दो महीने पहले जानलेवा हमला किया गया था, जिसमें उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के वक्त निशु आज़ाद ने दिल्ली पुलिस से इंसाफ और दोषियों की गिरफ्तारी की गुहार लगाई थी। हालांकि, दो महीने बीत जाने के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और अपने अपराध को स्वीकार कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि आरोपियों ने खुद हमले की बात स्वीकार की है, उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर उन पर हत्या के प्रयास समेत सख्त से सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए।

इसी बीच सीजेपी नेता आशुतोष रांका और सौरभ दास भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। रांका ने मीडिया को बताया कि सौरव और उनकी पूरी टीम लगातार दिल्ली पुलिस से आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और उन पर हत्या के प्रयास की धाराएं लगाने की मांग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस भाजपा नेताओं और कपिल मिश्रा की शह पर काम कर रही है और आरोपियों को बचा रही है। रांका ने सवाल उठाया कि जब शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस की भारी फौज तैनात की जा सकती है, तो उस बल का दसवां हिस्सा भी खुलेआम अपराध कबूल करने वाले गुंडों को पकड़ने में क्यों इस्तेमाल नहीं किया गया।

सीलमपुर में पार्किंग विवाद, महिला समेत 4 घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में मामूली विवाद को लेकर हिंसक झड़प हुई है। जे-ब्लॉक में घर के नीचे स्कूटी खड़ी करने को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट और चाकूबाजी तक पहुंच गई। इस घटना में एक महिला समेत कुल चार लोग घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, कल देर रात जे-ब्लॉक निवासी दिलशाद और आमिर के परिवार के बीच पार्किंग को लेकर बहस हुई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि दोनों तरफ से तीखी झड़प के बाद चाकूबाजी हुई। हमले में एक पक्ष से दिलशाद और उनकी पत्नी घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से आमिर और उसका भाई चोटिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीलमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार देने के बाद चारों घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। वारदात की असल वजह और चाकूबाजी की शुरुआत किसने की, इसका पता लगाने के लिए पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दक्षिणी दिल्ली की सफाई व्यवस्था पर निगमायुक्त की सख्त नजर

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम आयुक्त संजीव खिरवार ने शुक्रवार को शहरव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न इलाकों का व्यापक दौरा कर सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों का जमीनी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कूड़ा संग्रहण केंद्रों की नियमित निगरानी, समयबद्ध कचरा उठान और लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक चंदन कुमार चौधरी, पार्षद ममता यादव, दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त राकेश कुमार सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुष्पा विहार से शुरू हुआ निरीक्षण

निगमायुक्त ने अपने दौरे की शुरुआत पुष्पा विहार स्थित स्वच्छता वाहन स्थल से की। यहां उन्होंने पार्किंग स्थल पर चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली तथा टिपरों और अन्य स्वच्छता वाहनों के संचालन एवं निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कन्सेशनर को वाहनों के उचित रखरखाव और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर आयुक्त ने अधिकारियों को धूल नियंत्रण के नियमित उपाय करने और कचरा संग्रह केंद्रों से समय पर कचरा उठाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

खानपुर में कचरा स्थलों का लिया जायजा

इसके बाद आयुक्त ने खानपुर क्षेत्र में प्रमुख कचरा स्थलों का निरीक्षण किया। पार्षद ममता यादव के साथ उन्होंने एफसीटीएस, पीपल चौक, एमबी रोड और आसपास के इलाकों का दौरा किया। अधिकारियों को नियमित कचरा उठान के साथ उच्च स्तर की सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एमबी रोड और मेट्रो के आसपास अवैध अतिक्रमण को लेकर भी निगमायुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संगम विहार एफसीटीएस का भी निरीक्षण

निगमायुक्त ने विधायक चंदन कुमार चौधरी के साथ संगम विहार में नवनिर्मित फिक्स्ड कॉम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कचरा फेंकने और सीएंडडी मलबे की निगरानी मजबूत करने तथा स्थानीय लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। स्टेशन के पीछे पुराने कचरे का ढेर पाए जाने पर उन्होंने इसे तत्काल साफ कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सफाई व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका असर जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देना चाहिए।

जलभराव रोकने को प्राथमिकता

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने और स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय प्राथमिकता के आधार पर पूरे करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आगामी निगरानी केंद्र का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता व्यवस्था में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल और निगरानी तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

देवली में भी सफाई व्यवस्था की समीक्षा

दौरे के अंतिम चरण में निगमायुक्त ने देवली क्षेत्र का निरीक्षण किया और वार्ड में स्थित कचरा संग्रह केंद्रों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी और समयबद्ध कचरा निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम विकास परियोजनाओं और स्वच्छता अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्वच्छता बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दिल्ली के शहरी वातावरण को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डूसू में घोषणापत्र के लिए सुझाव मांगने हेतु अभाविप ने लॉन्च की वेबसाइट

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने आगामी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने और अपने चुनावी घोषणापत्र के निर्माण के लिए छात्रों से सीधे सुझाव आमंत्रित करने हेतु एक विशेष वेबसाइट लॉन्च की। छात्र Dusumanifesto.in पर जाकर अपनी समस्याओं, आवश्यकताओं और विश्वविद्यालय के विकास से जुड़े सुझाव सीधे अभाविप तक पहुंचा सकेंगे। इन सुझावों के आधार पर छात्र हितों को केंद्र में रखते हुए आगामी छात्रसंघ चुनाव के लिए घोषणापत्र तैयार किया जाएगा। अभाविप के अनुसार, छात्रसंघ चुनाव केवल चुनाव लड़ने का माध्यम नहीं, बल्कि छात्रों की समस्याओं और आकांक्षाओं को विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने का एक सशक्त मंच है। इसी उद्देश्य के साथ संगठन ने छात्रों को घोषणापत्र निर्माण की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से शामिल करने का निर्णय लिया है। अभाविप का प्रयास है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र की आवाज को घोषणापत्र में उचित स्थान मिले और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

एक नजर

गुरुग्राम में एक घंटे हुई मूसलाधार बरसात से कई इलाके जलमग्न

गुरुग्राम,एजेंसी। शुक्रवार शाम को शहर में हुई तेज बारिश से गुरुग्राम का मौसम सुहावना हो गया। सुबह से गर्मी झेल रहे गुरुग्रामवासियों को उमस से राहत मिली। इस एक घंटे में 36 मिमी बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। कई इलाकों में जलभराव से वाहन रेंगते नजर आए। दोपहर अचानक काले बादल छाए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। शहर के प्रमुख मार्गों पर हल्का से मध्यम जलभराव हो गया। बारिश के तुरंत बाद सरहौल बॉर्डर से राजीव चौक और सुभाष चौक तक गाडिय़ां रेंग-रेंग कर चलीं। सबसे ज्यादा असर राजीव चौक, सोहना रोड, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, उद्योग विहार और सेक्टर-14 में दिखा। उद्योग विहार फेज-3 और ओल्ड दिल्ली-गुरुग्राम रोड पर गड्ढों में पानी भरने से हादसे का खतरा बढ़ गया, चालकों को बेहद धीमी गति से चलना पड़ा। वीकेंड के चलते शाम को दफ्तरों से लौटने वालों को भारी जाम का सामना करना पड़ सकता है। जाम और जलभराव को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने प्रमुख चौराहों पर जवान तैनात कर रूट डायवर्ट किया। नगर निगम और जिला प्रशासन की टीमें सक्शन पंपों से पानी निकालने में जुटी हैं। मानसून ट्रफ सक्रिय होने से अगले 24 से 48 घंटे तक रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की संभावना है। तेज बारिश हुई तो निचले इलाकों में जलभराव और बढ़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है कि दिल्ली में शिव मूर्ति के पास अत्यधिक जलभराव के कारण गुरुग्राम से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर दबाव बढ़ गया है। वाहन चालक इफको चौक से यू-टर्न लेकर एमजी रोड होते हुए आया नगर बॉर्डर से दिल्ली जाएं। एयरपोर्ट जाने वाले द्वारका एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करें।

गुरुग्राम में जन्माष्टमी की धूम, राधा-कृष्ण बने बच्चों ने मोहा मन

गुरुग्राम। जिलाभर में जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। छोटे-बड़े मंदिरों को बिजली की रंग-बिरंगी लडिय़ों और फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। घरों और मंदिरों में छोटे-छोटे बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में तैयार किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहे। कई जगह फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। मंदिरों में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी, गोवर्धन पर्वत और रासलीला पर आधारित मनमोहक झांकियां सजाई गईं। शहर के प्रमुख मंदिरों शीतला माता मंदिर, घंटेश्वर मंदिर, इस्कॉन मंदिर सेक्टर-45, बादशाहपुर, ओल्ड रेलवे रोड पर प्रेम मंदिर, सदर बाजार के पास घंटेश्वर मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, सिद्धेश्वर मंदिर, और सेक्टर-14 के कृष्ण मंदिर समेत शहर में सेंकड़ों मंदिरों में में विशेष आयोजन हुए। मध्यरात्रि को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष आरती और अभिषेक किया गया। पुजारियों ने भगवान को माखन-मिश्री का भोग लगाया और भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। कई मंदिरों में दही-हांडी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जन्माष्टमी को लेकर बाजारों में भी रौनक रही। दुकानों पर भगवान श्रीकृष्ण के वस्त्र, मुकुट, बांसुरी और झूले खूब बिके। महिलाओं ने घरों में व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। शहर में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रमुख मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। देर रात तक मंदिरों में भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। कुल मिलाकर जन्माष्टमी ने गुरुग्राम में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक एकता का अनोखा संगम पेश किया।

आत्महत्या करने वाली छात्रा को कहां से मिली बिरयानी, पुलिस ने सीसीटीवी खंगाला

फरीदाबाद। फरीदाबाद के गाजीपुर रोड स्थित निजी स्कूल में 11वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा द्वारा तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने स्कूल की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर घटना की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पुलिस ने स्कूल पहुंचकर करीब दो घंटे तक प्रधानाचार्य और अन्य स्टाफ से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, स्कूल से कब्जे में ली गई सीसीटीवी फुटेज में छात्रा घटना से पहले तीन से चार बार प्रधानाचार्य के कार्यालय में आती-जाती दिखाई दे रही है। इसके अलावा वह करीब पांच मिनट तक कक्षा के बाहर खड़ी नजर आ रही है। कुछ देर बाद छात्रा कक्षा के बाहर रखी कुर्सी पर बैठी हुई भी दिखाई देती है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर छात्रा की गतिविधियों और स्कूल स्टाफ के साथ हुई बातचीत की कडिय़ों को जोडऩे का प्रयास कर रही है। मामले में पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि छात्रा के पास स्कूल में वेज बिरयानी कहां से आई थी। छात्रा के पिता का कहना है कि उनकी बेटी घर से बिरयानी लेकर स्कूल नहीं गई थी। वहीं स्कूल प्रबंधन की ओर से भी बताया गया है कि स्कूल में बिरयानी नहीं मिलती। ऐसे में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्रा बिरयानी कहां से लेकर आई थी और कक्षा में उसे खाने को लेकर उसके साथ क्या हुआ था।

गुरुग्राम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने की पंजाब के किसान संगठनों से बैठक, चार घंटे मांगों पर मंथन

गुरुग्राम,एजेंसी। केंद्र सरकार और किसानों के बीच गतिरोध खत्म करने के लिए गुरुग्राम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और संयुक्त किसान मोर्चा के बीच गुरुवार देररात तक करीब चार घंटे बैठक चली। इसमें 13 राज्यों के किसान प्रतिनिधि शामिल हुए और 10 प्रमुख मांगों का पत्र सौंपा। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मांगों पर संबंधित मंत्रियों से बात कर जल्द पूरा कराया जाएगा। वहीं किसानों ने कहा कि अभी सिर्फ आश्वासन मिला है, संतुष्टि मांगें पूरी होने पर ही होगी, लेकिन इस बार सरकार का रुख पॉजिटिव रहा।

संयोजक जगदीप सिंह डल्लेवाल ने बताया कि हर प्वाइंट पर विस्तार से बात हुई। सचिव हरदीप सिंह गिल ने कहा कि अगर 5-10 दिन में 2-4 प्रमुख मांगें भी पूरी हुईं तो भरोसा बनेगा कि सरकार किसान हित में है। किसानों की प्रमुख मांगें है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से खेती-बाहर हो। किसानों को डर था कि डील से खेती और डेयरी को नुकसान होगा। सरकार ने आश्वासन दिया कि एग्रीकल्चर और डेयरी को डील से बाहर रखा जाएगा और जल्द आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी होगा। मंत्री खट्टर ने कहा कि कृषि मंत्रालय से बात कर किसानों और विभाग के बीच सीधी बातचीत कराई जाएगी।

खेतों से गुजरने वाली हाई-टेंशन लाइनों के मुआवजे के लिए नई किसान-हितैषी पॉलिसी बनाने का भरोसा दिया गया। देशभर में किसानों पर दर्ज केस 8-10 दिन में वापस लेने की मांग उठी। नेताओं ने कहा कि ऐसा हुआ तो बातचीत सफल मानी जाएगी। वहीं जमीन अधिग्रहण से पहले 75 फीसदी किसानों की लिखित सहमति, मार्केट रेट से चार गुना मुआवजा और पहले बंजर भूमि के अधिग्रहण जैसे प्रावधान दोबारा लागू करने की मांग पर सरकार ने जल्द फैसले का आश्वासन दिया। इसके अलावा स्मार्ट मीटर, बिजली सब्सिडी और कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी चर्चा हुई। बैठक में तमिलनाडु से किसान नेता पीआर पांडेयन, कर्नाटक से शांता कुमार, मध्य प्रदेश से लीलाधर राजपूत, उत्तर प्रदेश से प्रहलाद पूनिया, सोमवीर, राजस्थान से इंद्रजीत पन्नीवाला, हरियाणा से अभिमन्यु कोहाड़, हरदीप गिल, राजेंद्र सिंह चहल तथा पंजाब से सुखदेव सिंह भोजराज और सतनाम सिंह बहरू शामिल हुए।

गुरुग्राम में जलभराव के दौरान इ्यूटी में लापरवाही पर जेई निलंबित

गुरुग्राम। शहर में शुक्रवार को हुई बारिश के दौरान वार्ड नंबर-14 में जलभराव की स्थिति को देखते हुए ड्यूटी में कथित लापरवाही बरतने पर नगर निगम गुरुग्राम के जूनियर इंजीनियर मनोज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

निलंबन आदेश के अनुसार जेई मनोज वार्ड-14 में तैनात किए गए थे। उन्हें जलभराव की स्थिति की निगरानी तथा आवश्यक मशीनरी, कर्मचारियों और डी-वाटरिंग व्यवस्था की समय पर तैनाती सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी। निगमायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बारिश और जलभराव के दौरान जेई का मोबाइल फोन बंद मिला और उनसे कोई प्रतिक्रिया या सहायता प्राप्त नहीं हुई। साथ ही बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय/स्टेशन छोड़ने की बात भी सामने आई। इसे आपात स्थिति में समय पर कार्रवाई प्रभावित करने वाला गंभीर मामला माना गया।

निगमायुक्त ने विभागीय कार्यवाही लंबित रहने तक मनोज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय नगर परिषद सोहना के कार्यकारी अधिकारी का कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें वहां तत्काल रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि आपात परिस्थितियों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारियों, कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

नूंह में धूमधाम से निकाली गई संत शिरोमणि गुरु रविदास कलश वंदन यात्रा

नूंह,एजेंसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की कलश वंदन यात्रा शुक्रवार को इंडरी गांव में पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई। यात्रा का आयोजन भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र इंडरी के नेतृत्व में किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत रविदास जी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अजय खुंडिया मुख्य रूप से शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष नूंह सुरेंद्र सिंह पिंटू, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वीरपाल कालियाका, भाजपा जिला महामंत्री रमेश मनुवास, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश तंवर, जिला उपाध्यक्ष हरबीर सिंह, आसू पहलवान सहित अनेक गणमान्य लोग यात्रा में शामिल हुए।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने संत रविदास जी के जयकारे लगाए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन एवं उनके विचारों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुटता और सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। आयोजक रमेश चंद्र इंडरी ने यात्रा में शामिल सभी अतिथियों, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

नोएडा में 5 और 6 सितंबर को भारी बारिश की संभावना

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। नोएडा में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से उमस और गर्मी के बीच दोपहर पौने तीन बजे के बाद आसमान में बादल घिर आए और वर्षा शुरू हो गई। कभी तेज तो कभी हल्की वर्षा का दौर चलता रहा। इससे मौसम सुहाना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार और रविवार को भी नोएडा में वर्षा होने के आसार हैं। इसके बाद सात सितंबर से मौसम साफ होने की संभावना है। शुक्रवार को नोएडा का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दोपहर बाद हुई वर्षा के कारण लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। हालांकि, वर्षा के दौरान शहर के कुछ हिस्सों में यातायात की रफ्तार धीमी रही। अचानक बदले मौसम के कारण सड़कों पर भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सेक्टर 22 में चौड़ा गांव के पास खड़ी कार पर पेड़ भी गिर गया। हालांकि कोई नुकसान नही हुआ है, लेकिन कई सेक्टरों में शाखाएं गिरी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक पांच सितंबर को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर वर्षा हो सकती है। तापमान में करीब तीन डिग्री की गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। छह सितंबर को भी वर्षा का सिलसिला जारी रहने के आसार हैं। दिनभर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। लगातार दो दिन वर्षा होने के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। मौसम में बदलाव का असर सुबह और शाम के समय भी देखने को मिल सकता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पांच और छह सितंबर को वर्षा के बाद सात सितंबर से मौसम के साफ होने की संभावना है। हालांकि, इसके बाद भी कुछ स्थानों पर स्थानीय स्तर पर बादल बनने और हल्की वर्षा होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल अगले दो दिन लोगों को बारिश के कारण मौसम में ठंडक और तापमान में गिरावट का अनुभव होगा।

गुरुग्राम विवि के विद्यार्थी पीजीआईएमएस में कर सकेंगे क्लीनिकल ट्रेनिंग

गुरुग्राम,एजेंसी। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ने एकेडमिक सहयोग और विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए यूएचएसआर के साथ एक ऐतिहासिक सांझेदारी की है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजय कौशिक की विशेष पहल और मार्गदर्शन में गुरुग्राम विश्वविद्यालय और यूएचएसआर के बीच अकादमिक, क्लीनिकल ट्रेनिंग और रिसर्च सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू से गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजी छात्रों को अब क्लीनिकल ट्रेनिंग के लिए किसी दूसरे राज्य में नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने ही प्रदेश के सबसे बड़े मेडिकल विश्वविद्यालय में सीखने का अवसर मिलेगा।

इस एमओयू पर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. संजय कौशिक ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते से हमारे विश्वविद्यालय के साइकोलॉजी के छात्रों को प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थान में वास्तविक मरीजों पर काम करने का सुनहरा अवसर मिलेगा, जिससे उनका क्लीनिकल अनुभव और रोजगार की संभावनाएं दोनों कई गुना बढ़ जाएंगी। कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के तहत पीजीआईएमएस में गुरूग्राम विश्वविद्यालय के छात्रों को सिजोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर, डिप्रेशन, बच्चों और नशे से संबंधित मानसिक बीमारियों के विविध केसों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और सीखने का मौका मिलेगा, जो किसी भी किताब से बड़ा अनुभव होगा। इससे मौके पर पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू केवल दो विश्वविद्यालयों के बीच का करार नहीं है, बल्कि हरियाणा में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक दूरगामी कदम है। गुरुग्राम विश्वविद्यालय की डीन प्रो. गायत्री रैना आर्य ने बताया कि इस एमओयू के तहत भविष्य में दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट और कॉन्फ्रेंस भी आयोजित करेंगे। यूएचएसआर की ओर से कुलसचिव डॉ. रूप सिंह, पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एम वशिष्ठ सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नूंह के घासेड़ा में स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

नूंह। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फरीदाबाद यूनिट ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गांव घासेड़ा में कार्रवाई करते हुए 45.17 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1800 रुपये की नकदी भी बरामद हुई है। बरामद नशीले पदार्थ की अवैध बाजार में कीमत करीब दो लाख रुपये आंकी गई है। फरीदाबाद यूनिट के प्रभारी निरीक्षक संग्राम सिंह ने बताया कि एएसआई महेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम छछेड़ा बस स्टैंड के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घासेड़ा निवासी अनवर उर्फ पहलवान उर्फ चुनु स्मैक बेचने का काम करता है और अपने घर के सामने मस्जिद के पास नशीला पदार्थ लेकर बिक्री के लिए मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम ने गांव घासेड़ा पहुंचकर बताए गए स्थान से आरोपी को काबू कर लिया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से स्मैक और 1800 रुपये नकद बरामद हुए। नशीले पदार्थ का वजन कराने पर कुल 45.17 ग्राम पाया गया।

नूंह में भक्ति, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

नूंह,एजेंसी। प्राचीन शिव मंदिर स्थल नगीना सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों, शंखनाद और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन किए। प्राचीन शिव मंदिर अस्थल कमेटी के प्रधान किशन चंद गुप्ता और सर्वजातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में आकर्षक धार्मिक एवं सामाजिक झांकियां सजाई गईं। झांकियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सकारात्मक सामाजिक संदेश देने का प्रयास किया गया। झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मंदिर में स्थापित शिवलिंग का भगवान भोलेनाथ के अमरनाथ स्थित बर्फानी बाबा स्वरूप में भव्य श्रृंगार किया गया। इसके अलावा मंदिर परिसर स्थित श्री हनुमान मंदिर, श्री भैरवनाथ मंदिर, चरण छत्री और पक्षी चुग्गा स्थल को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया। नगीना के माता दुर्गा मंदिर पथवारी, श्री शीतला माता मंदिर, श्री शिव मंदिर बगीची, श्री हनुमान मंदिर गोहरवाली चौक और श्री शिव मंदिर सैनी मोहल्ला सहित क्षेत्र के अन्य मंदिरों में भी विशेष सजावट की गई। मंदिर परिसर विद्युत लड़ियों, रंग-बिरंगे फूलों तथा पारंपरिक सजावटी सामग्री से सजाए गए। मंदिर के पुजारी पंडित बाबूराम शर्मा के सानिध्य में भगवान श्रीकृष्ण, शिव-पार्वती, श्रीराम, माता लक्ष्मी और माता सरस्वती सहित विभिन्न देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई। राष्ट्र एवं विश्व कल्याण की कामना को लेकर भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ। वहीं, श्री शिव मंदिर सैनी मोहल्ला में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया। जन्माष्टमी को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। नन्हे-मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण और राधा रानी की वेशभूषा में मंदिर पहुंचे और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

नौकरियों के नाम पर भाजपा सरकार ने युवाओं को दिया धोखा: पंकज डावर

गुरुग्राम,एजेंसी। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के तहत नौकरियों के नाम पर भाजपा सरकार ने युवाओं को धोखा दिया है। इन नौकरियों को लेकर जब नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र ड्डसिंह हुड्डा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सवाल पूछा, लीगल स्टेट्स मांगा तो सरकार घिर गई। सरकार बैकफुट पर आ गई।

पंकज डावर ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि नेता प्रतिपक्ष के सवाल के जवाब में प्रदेश की विधानसभा में मुख्यमंत्री ने कहा-यह बिल्कुल ठीक है कि यह कोई जॉब नहीं है। यह वैकल्पिक व्यवस्था है। एचकेआरएन का इतना ही मतलब है। मुख्यमंत्री के इस दो लाइन के जवाब से हरियाणा के उन करोड़ों युवाओं के सपने चकनाचूर हो गए जो एचकेआरएन के तहत खुद को नौकरी मिली माने बैठे थे। मुख्यमंत्री बड़ी शान से कह रहे हैं कि यह सरकारी जॉब नहीं है। विधानसभा चुनाव से पहले इस बात को प्रचारित किया गया कि एचकेआरएन में युवाओं को पक्की नौकरी दी गई है। चुनाव होने के बाद कहा गया कि 1.25 लाख युवाओं को पक्का कर दिया है। पंकज डावर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार के झूठ और फरेब का पर्दाफाश करने का काम किया है। उन्होंने कहा है कि जो युवा एचकेआरएन के तहत लगाए गए हैं, उनको पक्का, रेगुलर किया जाए। आगे रेगुलर भर्तियां निकाली जाएं। पंकज डावर ने कहा कि इससे शर्म की बात किसी राज्य में क्या होगी कि सिर्फ वाट्सऐप मैसेज से युवाओं का रोजगार छीना जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की जनता के समक्ष इस बात का खुलासा किया है कि युवाओं को वाट्सऐप मैसेज भेजकर कहा जा रहा है कि उनका रोजगार खत्म। यानी मोबाइल पर एक मैसेज आया और युवा बेरोजगार हो गए। पंकज डावर ने भाजपा सरकार से सवाल किया कि गारंटियों के नाम पर वाहवाही लूटने वाली सरकार में क्या यही जॉब गारंटी है। झटके में युवाओं को सडक़ पर लाकर खड़ा कर दिया जा रहा है।

फरीदाबाद में सफाई कर्मचारियों ने कराया सामूहिक मुंडन

फरीदाबाद,एजेंसी। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय के बाहर कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में सामूहिक मुंडन कराकर विरोध जताया। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि बार-बार बातचीत और आश्वासन के बावजूद उनकी मांगों को धरातल पर लागू नहीं किया जा रहा है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार उनके साथ वादा खिलाफी कर रही है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल छह अगस्त से शुरू हुई थी। फरीदाबाद में भी नगर निगम के कर्मचारी लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि 13 मई को सरकार के साथ हुई बातचीत में कई मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन उनके संबंध में लिखित आदेश जारी नहीं किए गए। इसी को लेकर कर्मचारियों में रोष है। कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग कच्चे, ठेका और दैनिक वेतनभोगी सफाई एवं सीवर कर्मचारियों को नियमित करना है। कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग कच्चे, ठेका और दैनिक वेतनभोगी सफाई एवं सीवर कर्मचारियों को नियमित करना है। कर्मचारी ठेका प्रथा खत्म कर कर्मचारियों को विभागीय रोल पर लाने और नियमितीकरण होने तक समान काम के लिए समान वेतन देने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा जोखिम भत्ता, सुरक्षा उपकरण, ईएसआई, ईपीएफ और अन्य सेवा सुविधाएं देने की भी मांग है। कर्मचारी नेता नरेशा शास्त्री ने बताया कि न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, वेतन-भत्ते और एरियर का भुगतान, दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता, मृतक कर्मचारी के आश्रित को नौकरी तथा सेवा सुरक्षा शामिल है। इसके अलावा रिक्त पदों पर नियमित भर्ती और कर्मचारियों से जुड़े पुराने मामलों में राहत देने की मांग भी की जा रही है।सरकार ने नियमितीकरण के मुद्दे पर कानूनी प्रक्रिया का हवाला दिया है। वहीं कर्मचारी नेताओं का कहना है कि उन्हें अब आश्वासन नहीं, बल्कि मांगों को लागू करने के लिखित आदेश चाहिए। नगर निगम मुख्यालय के बाहर सामूहिक मुंडन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से शहर की सफाई व्यवस्था संभाल रहे हैं, लेकिन उनकी नौकरी की सुरक्षा को लेकर सरकार ठोस निर्णय नहीं ले रही। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ी तो इसे और तेज किया जाएगा।

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

रमेश सर्राफ धमोरा

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र नि:स्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में 06 मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में 05 अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे-बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियों में समझाया है:-

'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट,
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट '

कबीर दास जी कहते हैं कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्धारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू-शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

असल सवाल यह है कि उन लोगों के बीच हम स्वयं को कितना जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। हमारे जीवन में ऐसे संबंधों की जरूरत होती है, जहां हम अपनी खुशी बांट सकें, अपने दुख को कह सकें और बिना किसी संकोच के अपने मन की बात रख सकें। शायद इसी वजह से भीड़ के बीच भी अकेलेपन का अनुभव उतना ही वास्तविक हो सकता है, जितना बिल्कुल अकेले रहने पर। इसी मानवीय आवश्यकता को अब वैश्विक स्तर पर भी गंभीरता से समझा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सोशल कनेक्शन पर गठित आयोग की रिपोर्ट 'फ्रॉम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन : चार्टिंग अ पाथ टू हेल्दियर सोसाइटीज' बताती है कि सामाजिक अलगाव और अकेलापन व्यापक समस्या बन चुके हैं और उनका प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और समाज पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। रिपोर्ट सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले उपायों की आवश्यकता पर जोर देती है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग हर छह में एक व्यक्ति अकेलेपन का अनुभव करता है और यह समस्या किसी एक उम्र या समाज तक सीमित नहीं है। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका प्रसार अधिक है। रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि मजबूत सामाजिक संबंध केवल व्यक्ति के सुख और कल्याण के लिए ही नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा और व्यापक सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भीड़ में भी अकेले होने की वैश्विक त्रासदी

डॉ. ऋतु सारस्वत

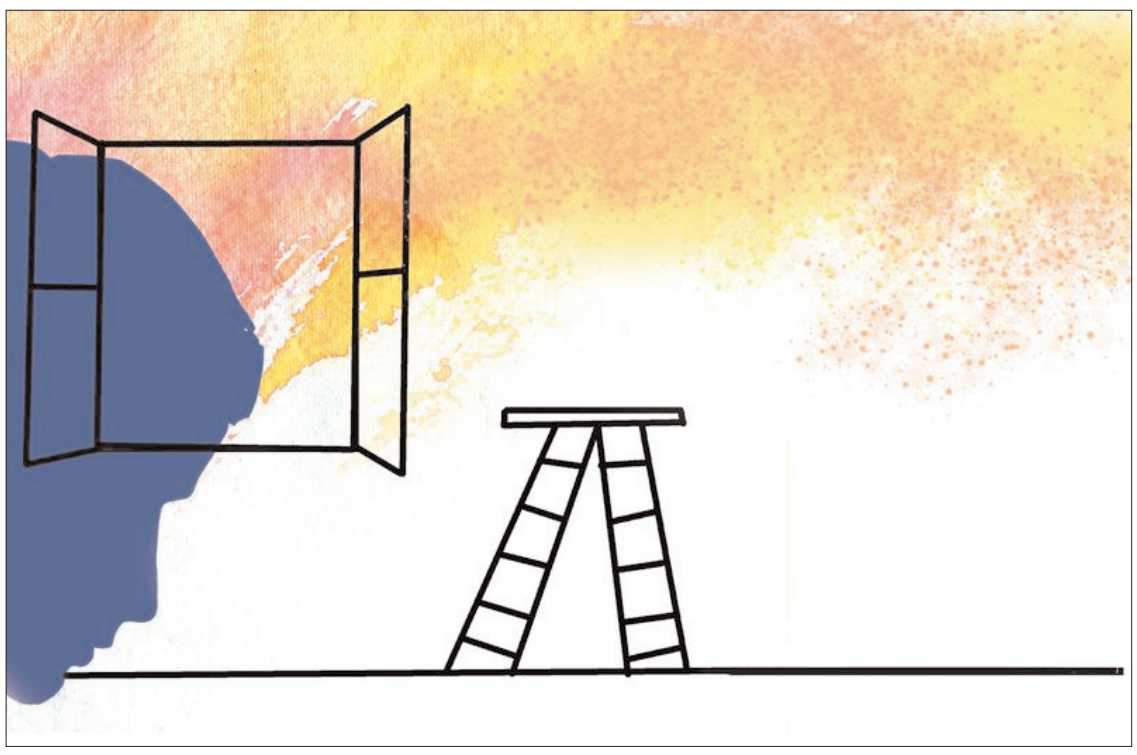

हाल ही में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर अपने कार्यालय का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि रात में काम करते हुए उन्हें वहां एक कॉकरोच दिखाई दिया। उन्होंने स्वयं उसे नहीं मारा और कुछ समय तक वह वहीं रहा। बाद में जब उनके स्टाफ ने उसे हटा दिया, तो उन्होंने लिखा—'राहत तो मिली, लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई।' 'लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई'—ये वे पंक्तियां हैं, जो मन में हजारों प्रश्नों को जन्म देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि क्या हम सब कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं? आखिर ऐसा क्यों है कि लोगों से भरी इस दुनिया में भी किसी एक की कुछ पलों की मौजूदगी हमारे अकेलेपन को भर देती है और उसकी अनुपस्थिति फिर उसी अकेलेपन का एहसास करा जाती है? क्या मनुष्य के लिए साथ की जरूरत केवल तब होती है, जब वह सचमुच अकेला हो, या भीड़ के बीच भी किसी अपने की उपस्थिति उतनी ही जरूरी होती है? दरअसल, हम सभी एक बहुत बड़े असत्य को सत्य मान बैठे हैं और वह यह कि जो व्यक्ति प्रभुत्वशाली है, धनी है या फिर जो प्रसिद्ध है, वही इस संसार में सबसे सुखी है। सुख की हमारी यह परिभाषा हमें निरंतर एक ऐसी दौड़ में ले जाती है, जहां हम उपलब्धियों की ऊंचाइयों को ही जीवन की सार्थकता मान बैठे हैं। लेकिन क्या सचमुच जीवन में किसी मुकाम को हासिल कर लेना व्यक्ति को भीतर से वह खुशी, आत्मसंतोष और तृप्ति दे देता है, जिसकी तलाश में वह इस पूरी दौड़ में शामिल होता है?

फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद के एक अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि उस उपलब्धि की खुशी के बीच एक क्षण ऐसा आया, जब उनके मन में सवाल उठा—मैं आज रात क्या करूं? किसके घर जाऊं? किसका हाथ थामूं? मुझे खुशी महसूस करने के लिए पीठ पर एक छोटी-सी थपकी की जरूरत थी और मैं उसे चाहता था। उपलब्धि का यह क्षण अपने आप में बताता है कि खुशी का पूरा अर्थ उसे किसी के साथ साझा करने में ही है। अकेलापन केवल इस बात से तय नहीं होता कि हमारे आसपास कितने लोग हैं। असल सवाल यह है कि उन लोगों के बीच हम स्वयं को कितना जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। हमारे जीवन में ऐसे संबंधों की जरूरत होती है, जहां हम अपनी खुशी बांट सकें, अपने दुख को कह सकें और बिना किसी संकोच के अपने मन की बात रख सकें। शायद इसी वजह से भीड़ के बीच भी अकेलेपन का अनुभव उतना ही वास्तविक हो सकता है, जितना बिल्कुल अकेले रहने पर। इसी मानवीय आवश्यकता को अब वैश्विक स्तर पर भी गंभीरता से समझा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सोशल कनेक्शन पर गठित आयोग की रिपोर्ट 'फ्रॉम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन : चार्टिंग अ पाथ टू हेल्दियर सोसाइटीज' बताती है कि सामाजिक अलगाव और अकेलापन व्यापक समस्या बन चुके हैं और उनका प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और समाज पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। रिपोर्ट सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले उपायों की आवश्यकता पर जोर देती है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग हर छह में एक व्यक्ति अकेलेपन का अनुभव करता है और यह समस्या किसी एक उम्र या समाज तक सीमित नहीं है। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका प्रसार अधिक है। रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि मजबूत सामाजिक संबंध केवल व्यक्ति के सुख और कल्याण के लिए ही नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा और व्यापक सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ये तो वे आंकड़े हैं, जो दर्ज किए गए हैं, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं व्यापक है। सच यह है कि हम सभी भीड़ में कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं और शायद ही इस दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसने जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अकेलेपन को महसूस न किया हो। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिस गंभीर प्रश्न पर चिंता व्यक्त की है, उस पर दशकों पूर्व 'द लोनली क्राउड' में सार्थक चर्चा की गई थी। 1950 में प्रकाशित यह पुस्तक आधुनिक समाज में व्यक्ति के सामाजिक जीवन और उसके भीतर बढ़ते अकेलेपन के विभिन्न पहलुओं को सामने लाती है।

'द लोनली क्राउड' बताती है कि लोगों के बीच रहना अपने आप में व्यक्ति को अकेलेपन से मुक्त क्यों नहीं कर पाता और सामाजिक जीवन का विस्तार होने के बावजूद व्यक्ति भीतर से अलग-थलग क्यों महसूस कर सकता है। पुस्तक इस विरोधाभास की ओर संकेत करती है कि व्यक्ति समाज और भीड़ का हिस्सा होते हुए भी अपने भीतर एक ऐसे अकेलेपन का अनुभव कर सकता है, जिसे केवल लोगों की मौजूदगी से दूर नहीं किया जा सकता। अक्सर हम यह मान लेते हैं कि जीवन में सफलता, उपलब्धि और एक मुकाम हासिल कर लेने के बाद व्यक्ति को किसी के साथ की जरूरत कम हो जाती है। लेकिन मनोवैज्ञानिक रॉय बॉमिस्टर और मार्क लीरी के 1995 के शोध-पत्र 'द नीड टू बिलॉन्ग: डिजायर फॉर इंटरपर्सनल अटैचमेंट्स ऐज अ फंडामेंटल ह्यूमन मोटिवेशन' ने इस धारणा को एक अलग दृष्टिकोण दिया है। उनके अनुसार, मजबूत और स्थायी मानवीय संबंध बनाना और उन्हें बनाए रखना मनुष्य की एक मूलभूत मनोवैज्ञानिक आवश्यकता है। जीवन में हम किसी भी मुकाम पर क्यों न पहुंच जाएं, हमारे भीतर ऐसे संबंधों की जरूरत बनी रहती है, जहां स्नेह हो, परस्पर परवाह हो और यह भरोसा हो कि कोई हमारे सुख में सचमुच खुश होगा और कठिन समय में हमारे साथ खड़ा रहेगा। इस जरूरत का महत्व व्यक्ति की सफलता, पद या आर्थिक स्थिति से समाप्त नहीं होता। दरअसल, अकेलापन वह सामाजिक पीड़ा है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति को तोड़ता चला जाता है और इस सत्य को मनोवैज्ञानिक जॉन कैसिओप्पो और लुईस हॉकली ने बखूबी बयान किया है। वे अपने शोध 'लोनलीनेस मैटर: अ थ्योरेटिकल एंड एम्पिरिकल रिव्यू ऑफ कॉन्सीक्वेंसेज एंड मेकैनिज्म्स' में बताते हैं कि अकेलापन केवल इस बात का परिणाम नहीं है कि व्यक्ति के आसपास लोग नहीं हैं, बल्कि तब भी महसूस हो सकता है, जब उसके आसपास लोगों की कमी न हो, लेकिन उसे अपने संबंधों में वह जुड़ाव और आत्मीयता महसूस न हो, जिसकी उसे आवश्यकता है। लंबे समय तक बना रहने वाला यह अकेलापन व्यक्ति की भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है तथा उसकी नींद और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है। अकेलेपन से बचने के लिए केवल लोगों का आसपास होना या उनसे सहायता मिलना पर्याप्त नहीं है; मनुष्य को ऐसे पारस्परिक संबंधों की आवश्यकता होती है, जिनमें वह दूसरों के लिए भी उपस्थित हो और दूसरे भी उसके लिए उपलब्ध रहें। शायद यही वह बात है, जिसे हमारी व्यस्त जीवनशैली में हम सबसे अधिक भूलते जा रहे हैं। हम अपने लिए समय, अपनी सफलता और अपनी प्राथमिकताओं को तो लगातार जगह देते हैं, लेकिन क्या अपने संबंधों के लिए भी उतनी ही जगह बना रहे हैं?

विचार

कागजों की जांच-पड़ताल से बड़ा है मताधिकार

विवेक शर्मा

मतदाता सूची को सही रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। मृत लोगों के नाम हटने चाहिए। जो लोग कहीं और चले गए हैं, उनका रिकॉर्ड ठीक होना चाहिए। एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज है तो उसे भी सुधारा जाना चाहिए। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सही और भरोसेमंद बनाना है। लेकिन इस काम के बीच आम मतदाता इतना न उलझ जाए कि उसे अपने ही मताधिकार को लेकर चिंता होने लगे। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली में एसआईआर को लेकर गहमागहमी है। सभी जगह इसकी प्रक्रिया एक साथ नहीं चल रही। पुराने मतदाता रिकॉर्ड का इस्तेमाल सत्यापन के लिए किया जा रहा है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 2002 की मतदाता सूची महत्वपूर्ण है, जबकि पंजाब में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में यह प्रक्रिया बाद के चरण में होगी। मुश्किल यह है कि 2002 या 2003 आज से करीब ढाई दशक पुरानी बात है। उस समय की हर जानकारी हर परिवार के पास सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं। इतने वर्षों में लोग घर और शहर बदल चुके हैं। कई परिवार दूसरे राज्यों में जाकर बस गए हैं। पुराने सरकारी रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी, उम्र या पते में अंतर भी हो सकता है। ऐसे में पुराने और मौजूदा रिकॉर्ड का पूरी तरह मेल न खाना अपने आप में किसी मतदाता को गलत साबित नहीं करता। दिल्ली में करीब 33 लाख मतदाताओं के रिकॉर्ड में विसंगतियां सामने आई हैं। इनमें करीब 14 लाख मतदाताओं का विवरण 2002 की एसआईआर सूची से नहीं जुड़ पाया, जबकि करीब 19 लाख मामलों में अन्य विसंगतियां मिली हैं। इनमें मौजूदा और पुराने रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी अलग होने जैसे मामले भी शामिल हैं। इन मतदाताओं को अपनी पात्रता स्पष्ट करने का अवसर दिया जाएगा। पंजाब के पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी का मामला इस परेशानी को समझने का एक उदाहरण है। वर्ष 2003 में वह भारत में नहीं थे, बल्कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में तैनात थे। पंजाब में एसआईआर के दौरान उनका मौजूदा विवरण 2003 के पुराने मतदाता रिकॉर्ड से नहीं मिल पाया। उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस मिला। हालांकि उनका नाम मतदाता सूची से हटाया नहीं गया था। बाद में यह मामला सुलझ गया। फिर भी सवाल महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति उस समय देश में ही नहीं था, उससे उस समय की मतदाता सूची में अपने नाम का मिलान कैसे कराया जाए? प्रक्रिया में ऐसी परिस्थितियों के लिए स्पष्ट और आसान रास्ता होना चाहिए। यह परेशानी केवल किसी पूर्व राजनयिक की नहीं है। देश में लाखों लोग नौकरी, कारोबार या दूसरे कारणों से वर्षों तक एक जगह से दूसरी जगह जाते रहे हैं। कई परिवारों ने पुराने घर छोड़ दिए। कई लोग दूसरे राज्यों में बस गए। ऐसे में करीब 24 साल पुराने रिकॉर्ड को आज की पहचान से जोड़ना हमेशा आसान नहीं हो सकता।

सरकारी रिकॉर्ड में भी गलतियां हो सकती हैं। नाम की वर्तनी बदल सकती है। पते में अंतर हो सकता है। इसलिए जहां नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपनी जानकारी सही दे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करे, वहीं सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी भी है कि वह अपने पास मौजूद रिकॉर्ड से तथ्यों की पुष्टि करे। एसआईआर का विरोध करना समाधान नहीं है। साफ और सही मतदाता सूची हर चुनाव की पहली जरूरत है। लेकिन सही सूची बनाने का अर्थ यह भी है कि कोई पात्र मतदाता केवल इसलिए बाहर न रह जाए क्योंकि 2002 या 2003 के रिकॉर्ड में उसका नाम नहीं मिला या उसकी जानकारी में मामूली अंतर था। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अपना नाम मतदाता सूची में जांचना चाहिए। कोई गलती या कमी हो तो तय समय में दावा या आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। लेकिन प्रशासन को भी यह प्रक्रिया इतनी सरल रखनी होगी कि आम आदमी उसे आसानी से समझ सके और पूरा कर सके। पुराने रिकॉर्ड की जानकारी न होने को केवल नागरिक की गलती मान लेना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में एक गलत नाम रह जाना समस्या है, लेकिन एक सही मतदाता का नाम गलती से बाहर हो जाना उससे बड़ी समस्या है। इसलिए एसआईआर में दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। जांच कड़ी हो, लेकिन तरीका मानवीय हो। दस्तावेज मांगे जाएं, लेकिन उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड की भी मदद ली जाए। लोकतंत्र में मतदाता किसी फाइल का एक नंबर नहीं है। वह उस व्यवस्था का केंद्र है। उसके वोट से सरकार बनती है और उसकी भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है। इसलिए मतदाता सूची को साफ करने की कोशिश में यह ध्यान रखना होगा कि कागजों की कमी या पुराने रिकॉर्ड की विसंगति के बीच असली मतदाता कहीं पीछे न छूट जाए। एसआईआर की असली सफलता केवल नामों की छंटाई में नहीं, बल्कि इस भरोसे में होगी कि सही मतदाता का नाम सुरक्षित है। पुराने कागज जांच का आधार हो सकते हैं, लेकिन नागरिक का मताधिकार उनसे बड़ा है।

एक नजर

बिहार में आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण

पटना,एजेंसी। बिहार में एक बार फिर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार नवीन कुमार, विशेष सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार- प्रभारी सचिव, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना) के प्रबंध निदेशक, बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा), पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस व्यवस्था के आलोक में कुन्दन कुमार, सचिव, उद्योग विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार फाउण्डेशन, प्रबंध निदेशक, बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार - बियाडा, प्रबंध निदेशक, आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार-आइडा) वर्तमान में धारित प्रबंध निदेशक, बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा), पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किए गए हैं। वहीं विवेक रंजन मैत्रेय, अपर सचिव, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना को स्थानांतरित करते हुए निदेशक, खेल, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के आलोक में आरिफ अहसन, राज्य परिवहन आयुक्त, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, खेल) वर्तमान में धारित निदेशक, खेल के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। अनिल कुमार, निदेशक, सूचना एवं जन-सम्पर्क, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार-प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य संवाद समिति, पटना) को स्थानांतरित करते हुए प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को स्थानांतरित करते हुए प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। पलासिया अगले आदेश तक संयुक्त सचिव, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। श्रीकान्त कुण्डलिक खाण्डेकर, संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, बिहार, पटना को संयुक्त सचिव, उद्योग विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। गुंजन सिंह, संयुक्त सचिव, मुख्य मंत्री सचिवालय, बिहार, पटना को निदेशक सूचना एवं जन-सम्पर्क, बिहार, पटना/प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य संवाद समिति पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगी।

सीवान जंक्शन में बाढ़ का फर्जी वीडियो वायरल, स्टेशन अधीक्षक ने साइबर थाने में दी शिकायत

सीवान। सीवान जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर में बाढ़ आने का भ्रामक और कथित फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीवान जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक मुकेश कुमार सिंह ने साइबर थाने में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में फेसबुक अकाउंट 'faiyaj creates' के संचालक पर दो सितंबर से सीवान जंक्शन में बाढ़ आने से संबंधित भ्रामक वीडियो, पोस्ट और रील प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। स्टेशन अधीक्षक मुकेश कुमार सिंह ने अपने आवेदन में कहा है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट में सीवान जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर में बाढ़ जैसी स्थिति दिखाई गई है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग है। इस तरह की भ्रामक पोस्ट के प्रसार से आम लोगों और रेल यात्रियों के बीच स्टेशन की स्थिति, रेल परिचालन और यात्री सुविधाओं को लेकर भ्रम और भय की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यात्रियों के बीच गलत धारणा बनने के साथ ही रेलवे की विश्वसनीयता और छवि भी प्रभावित होने की आशंका जतायी गयी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को फेसबुक अकाउंट का नाम, पोस्ट की तारीख और पोस्ट का लिंक उपलब्ध कराया है. साथ ही वायरल वीडियो के स्क्रीनशॉट भी आवेदन के साथ संलग्न किए गए हैं। स्टेशन अधीक्षक ने साइबर पुलिस से पोस्ट की तकनीकी जांच कर अकाउंट संचालक की पहचान करने तथा उसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस तरह के झूठे वीडियो प्रसारित कर अफवाह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में पुलिस के लिए यह जांच महत्वपूर्ण होगी कि वायरल वीडियो वास्तव में कहां का है, उसे किसने तैयार या अपलोड किया और सीवान जंक्शन से जोड़कर उसे किस उद्देश्य से प्रसारित किया गया। अब साइबर पुलिस की जांच के बाद ही मामले की वास्तविकता और संबंधित व्यक्ति की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

कृष्णाष्टमी पर सोहगरा धाम पहुंचे डीएम, पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

सीवान। कृष्णाष्टमी के पावन अवसर पर जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा शुक्रवार को गुठनी प्रखंड के सोहगरा पंचायत स्थित प्रसिद्ध सोहगरा धाम मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया और जिलेवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। डीएम के पहुंचने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। पूजा-अर्चना के बाद जिलाधिकारी ने मंदिर के धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी ली। मंदिर के वरिष्ठ महंत और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उन्हें सोहगरा धाम से जुड़ी पौराणिक गाथाओं, धार्मिक मान्यताओं और मंदिर के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। डीएम ने मंदिर परिसर के साथ आसपास के क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, मंदिर परिसर के विकास, आधारभूत सुविधाओं और क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को लेकर मंदिर समिति एवं स्थानीय पदाधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के संरक्षण और विकास से क्षेत्र की पहचान को मजबूती मिलती है। साथ ही, यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलती है। जिलाधिकारी ने सोहगरा धाम के विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ दोबारा विस्तृत बैठक करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी संभावनाओं का नियमानुसार अध्ययन कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के वरिष्ठ महंत ने जिलाधिकारी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कृष्णाष्टमी के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। जिलाधिकारी के भ्रमण को लेकर स्थानीय लोगों और मंदिर प्रबंधन समिति में भी उत्साह देखा गया।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की

पटना,एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बिहार में बाढ़ की वर्तमान स्थिति का हवाई सर्वेक्षण किया। हवाई सर्वेक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों के जलस्तर, दियारा एवं निचले इलाकों में उत्पन्न स्थिति तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। हवाई सर्वेक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर बाढ़ की स्थिति, जलस्तर, तटबंधों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अविलंब मरम्मती कार्य कराने तथा संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने तथा प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में बिहार मौसम सेवा केन्द्र के अधिकारी ने बताया कि वर्तमान मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आनेवाले सप्ताह में भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा बाढ़ प्रभावित लोगों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करें एवं उन्हें तत्काल आवश्यक राहत उपलब्ध कराई जाए। किसी भी प्रभावित परिवार को सहायता के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन की ऐसी व्यवस्था और सकारात्मक सहयोग रहे कि लोगों में किसी प्रकार का भय और अफरा-तफरी का माहौल न बने। प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों के बीच रहकर राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देनी है। प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ बेहतर समन्वय बनाकर आवश्यकता के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बक्सर से लेकर भागलपुर तक गंगा नदी के तटबंधों की सतत निगरानी करते रहें। तटबंधों में किसी भी प्रकार के बड़े कटाव या टूट की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए जल संसाधन विभाग एवं जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे तथा संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम से लोगों को भोजन एवं राहत उपलब्ध कराते रहें, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिये। प्रभावित लोगों को ससमय राहत सामग्री उपलब्ध करायें। मुख्यमंत्री ने बाढ़ की स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग के लिए कमांड सेंटर को सीधे सीएम डैशबोर्ड से लिंक करने का निर्देश दिया, ताकि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत-बचाव कार्यों और प्रशासनिक कार्रवाई की नियमित एवं प्रभावी निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय के स्तर से भी की जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति में जीवन की सुरक्षा, त्वरित राहत और प्रभावी बचाव कार्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी मुस्तैदी से कार्य करें और स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

लापता युवक का शव संतो बाबा धाम के समीप गड्ढे में मिला, परिजनों में मचा कोहराम

सुपौल। जिले के पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर पंचायत के जीवछपुर गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब संतो बाबा धाम परिसर के समीप एक पानी भरे गड्ढे से 18 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

मृत युवक की पहचान महेशपुर पंचायत के जीवछपुर वार्ड नंबर-4 निवासी स्वर्गीय छेदन पासवान के 18 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार पासवान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि संतोष कुमार गुरुवार की शाम करीब चार बजे चाय पीने के बाद घर से निकला था। इसके बाद वह देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजन चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी। परिजनों एवं ग्रामीणों ने देर रात तक आसपास के इलाकों में उसकी खोजबीन की, लेकिन संतोष का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद रातभर भी उसकी तलाश जारी रही। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे जीवछपुर स्थित संतो बाबा धाम परिसर के समीप एक गड्ढे में युवक का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान संतोष कुमार के रूप में की। शव मिलने की खबर गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। प्रथम दृष्टया बताया जा रहा है कि पानी भरे गड्ढे में डूबने से युवक की मौत हुई होगी। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं। इधर, घटना की सूचना मिलने पर पिपरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि संतो बाबा धाम के समीप से युवक का शव बरामद किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पर्व-त्योहार पर यात्रियों को राहतः मुंबई-कटिहार स्पेशल ट्रेन के बढ़े फेरे, एनएफआर ने की घोषणा

कटिहार। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की संभावित भीड़ और उनकी सुगम यात्रा को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने मुंबई सेंट्रल-कटिहार-मुंबई सेंट्रल फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन की सेवा का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ महापर्व के दौरान मुंबई से कटिहार व सीमांचल क्षेत्र आने-जाने वाले प्रवासियों और स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं से सात-सात अतिरिक्त फेरे लगाएगी।

इसकी आधिकारिक जानकारी पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि त्योहारी मौसम में यात्रियों को यात्रा का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराने और ट्रेनों में भीड़ का दबाव कम करने के उद्देश्य से रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने का फैसला किया है। विस्तारित समय-सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 09190 कटिहार-मुंबई सेंट्रल फेस्टिवल स्पेशल कटिहार से 8 एवं 15 सितंबर, 20 एवं 27 अक्टूबर तथा 3, 10 एवं 17 नवंबर 2026 को कुल 7 अतिरिक्त फेरों के लिए रवाना होगी। वहीं वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल-कटिहार फेस्टिवल स्पेशल मुंबई सेंट्रल से 5 एवं 12 सितंबर, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर तथा 7 एवं 14 नवंबर 2026 को कटिहार के लिए 7 अतिरिक्त फेरों के साथ संचालित की जाएगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, यह ट्रेन अपनी पूर्व निर्धारित मौजूदा सेवा अनुसूची, समय, ठहराव और कोचों की संख्या के अनुसार ही चलेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि एनएफआर ने कानपुर सेंट्रल-गुवाहाटी स्पेशल ट्रेन (04127/04128) के भी दोनों ओर से 14-14 अतिरिक्त फेरे बढ़ाए हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा पर निकलने से पहले आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समय व ठहराव से संबंधित अद्यतन जानकारी अवश्य जांच लें।

सिमराही में जाम पर प्रशासन सख्त, आज से चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

सुपौल,एजेंसी। राघोपुर प्रखंड के सिमराही बाजार में एनएच-27 पर लगातार लग रहे जाम की समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। राघोपुर थाना परिसर में प्रशासन, पुलिस, व्यवसायियों और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक हुई। इसके बाद अधिकारियों ने सिमराही बाजार, दुर्गा मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।बैठक में शुक्रवार से पूरे सिमराही बाजार में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। नगर पंचायत सिमराही को एनएच-27 की सर्विस लेन, सड़क किनारे लगी अवैध अस्थायी दुकानों, ठेला-खोमचा और अवैध हाट के खिलाफ नियमित चालान की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।नगर पंचायत की ओर से ध्वनि विस्तारक यंत्र और घर-घर जाकर दुकानदारों को सड़क एवं सर्विस लेन पर अतिरिक्त दुकान नहीं लगाने तथा यातायात में बाधा नहीं डालने के लिए जागरूक किया जाएगा। अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अनुमंडल पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि सिमराही की पहचान जाम से नहीं, बल्कि व्यवस्थित बाजार के रूप में होनी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों से सड़क और सर्विस लेन पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की। वहीं, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार ने अतिक्रमण हटने के बाद दोबारा कब्जा रोकने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। नाबालिगों द्वारा चलाए जा रहे ई-रिक्शा और सिटी रिक्शा पर भी कार्रवाई की जाएगी। एनएच-27 किनारे लगने वाले अवैध हाट को हटाकर डाक बंगला परिसर के पीछे खाली जमीन पर सब्जी, फल और छोटे दुकानदारों को व्यवस्थित करने की योजना पर भी विचार किया गया। प्रशासन का मानना है कि इससे मुख्य सड़क पर भीड़ और यातायात का दबाव कम होगा। अधिकारियों ने दुर्गा मंदिर परिसर का भी निरीक्षण किया और दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी। दुर्गा पूजा के दौरान यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जर्जर पंचायत भवन को दुर्गा पूजा से पहले हटाने, पीछे की खाली जमीन पर मेला लगाने तथा सूखे पीपल के पेड़ को वन विभाग की मदद से हटाने का निर्देश दिया गया। प्रशासन के अनुसार इन व्यवस्थाओं से जाम, दुर्घटना और पूजा के दौरान यातायात संबंधी समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी।

जाम से कराह रहा जिला मुख्यालय, चौक-चौराहों पर दिन-रात रेंग रही जिंदगी

सुपौल,एजेंसी। जिला मुख्यालय की सड़कों पर जाम की समस्या अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर दिन हो या रात, वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। महज कुछ मिनट की दूरी तय करने में लोगों को कई बार आधे घंटे या उससे अधिक समय तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी और बीच-बीच में की जाने वाली कार्रवाई के बावजूद यातायात व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पा रही है। शहर के महावीर चौक, लोहिया नगर चौक, स्टेशन चौक और कीर्तन भवन चौक जाम के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। सुबह बाजार खुलने से लेकर देर शाम बाजार बंद होने तक इन स्थानों पर वाहनों का दबाव बना रहता है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ ई-रिक्शा, टेंपो और अन्य वाहनों की अव्यवस्थित आवाजाही स्थिति को और गंभीर बना देती है। महावीर चौक शहर का सबसे व्यस्त इलाका होने के साथ-साथ सदर अस्पताल के मुख्य मार्ग से जुड़ा है। ऐसे में यहां यातायात व्यवस्था सुचारू रहना बेहद जरूरी है लेकिन अक्सर लगने वाले जाम के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। गंभीर मरीजों को लेकर अस्पताल पहुंच रही एंबुलेंस भी कई बार जाम में फंस जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गंभीर मरीज के लिए एक-एक मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में अस्पताल के रास्ते में एंबुलेंस का जाम में फंसना चिंताजनक स्थिति है। कई बार सायरन बजने के बावजूद एंबुलेंस को आगे निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती। सड़क पर वाहनों की अव्यवस्थित कतार और आसपास बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है।

ई-रिक्शा और टेंपो बढ़ा रहे परेशानी

महावीर चौक सहित अन्य प्रमुख चौक-चौराहों पर ई-रिक्शा और टेंपो की अनियंत्रित आवाजाही जाम की बड़ी वजह बनती जा रही है। यात्रियों को बैठाने और उतारने के लिए चालक कई बार चौक के बीच या सड़क किनारे वाहन रोक देते हैं। इससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है और पीछे वाहनों की कतार लग जाती है। इसके अलावा कुछ वाहन चालक जल्द निकलने की होड़ में गलत दिशा से वाहन चलाने लगते हैं। इससे सामने से आने वाले वाहनों के साथ टकराव की स्थिति बनती है और यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग भी समस्या को गंभीर बना रही है। कई प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायत लगातार सामने आती रहती है। नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े करना, गलत दिशा में वाहन चलाना और चौक के बीच यात्रियों को बैठाने-उतारने जैसी गतिविधियों से जाम की स्थिति पैदा होती है। लोगों का कहना है कि केवल ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इसके लिए यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक योजना तैयार करने की जरूरत है।

न्यू फरक्का के पास रेलवे ट्रैक धंसाः वंदे भारत और शताब्दी समेत कई ट्रेनें रद्द, कई के बदले मार्ग

कटिहार। न्यू फरक्का स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के पास अचानक जमीन धंसने से पूर्वी एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रमुख रेल मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन बुरी तरह बाधित हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल प्रशासन ने वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस समेत दर्जनों महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द कर दिया है, जबकि कई ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया है। अचानक लिए गए इस निर्णय से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रद्द और प्रभावित ट्रेनों में हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, दार्जिलिंग मेल, पदातिक एक्सप्रेस, कंचनकन्या एक्सप्रेस, कंचनजंगा एक्सप्रेस, सरायघाट एक्सप्रेस, तीस्ता-तोरषा एक्सप्रेस और उत्तर बंग एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस तथा बालुरघाट और जोगबनी रूट की कई दैनिक ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है। यात्रियों की सहूलियत को देखते हुए राधिकापुर-हावड़ा एक्सप्रेस, बालुरघाट-कोलकाता एक्सप्रेस और बालुरघाट-भटिंडा एक्सप्रेस को वैकल्पिक मार्ग से रवाना किया जा रहा है। घटनास्थल पर रेलवे की तकनीकी टीम ट्रैक को दुरुस्त करने के लिए युद्धस्तर पर जुटी हुई है। कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि न्यू फरक्का की स्थिति को लेकर रेल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और ट्रैक बहाली का काम तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नेपाल से पानी छोड़े जाने के कारण उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों पर भी रेलवे हाई अलर्ट पर है। संवेदनशील इलाकों में जलस्तर की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि रेल परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर कोई आंच न आए। कटिहार पिट लाइन में सफाई व्यवस्था के संदर्भ में सीनियर डीसीएम ने स्पष्ट किया कि ट्रेनों की साफ-सफाई का काम निर्बाध रूप से चल रहा है। निजी ठेकेदार द्वारा कुछ कर्मियों को हटाए जाने के विवाद पर संबंधित स्तर पर बातचीत की जा रही है और इसका सफाई व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ने दिया जा रहा है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए वे यात्रा पर निकलने से पहले रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा आधिकारिक पोर्टल से अपनी ट्रेन की स्थिति अवश्य जांच लें।

एक नजर

भारत-जापान के बीच ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 22 सितंबर को

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और जापान की क्रिकेट टीमों के बीच 22 सितंबर को जापान के तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत करेगा। मुकाबले को 'सुजुकी कप' नाम दिया गया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी। यह क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में बड़े दर्शक वर्ग तक इस खेल को पहुंचाने का अवसर मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मित्रता हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले समारोहों में क्रिकेट भी हिस्सा बनेगा। इस मुकाबले को संभव बनाने के लिए हम जापान क्रिकेट संघ के प्रयासों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'बीसीसीआई का मानना है कि क्रिकेट का विकास उसके पारंपरिक क्षेत्रों से आगे तक होना चाहिए और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के रूप में हम इस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई आने वाले वर्षों में जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने तथा इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए जापान क्रिकेट संघ के साथ मिलकर काम करेगा। जापान क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाओकी मियाजी ने कहा, 'विश्व चैंपियन टीम को जापान में क्रिकेट के घर कहे जाने वाले मैदान पर आमंत्रित कर पाना हमारे संघ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए हम बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं और भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह का स्वागत करने के लिए बेहद उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, 'हम स्थानीय जापानी लोगों से भी, जो क्रिकेट को लेकर उत्सुक हैं, सक्रिय रूप से आग्रह करते हैं कि वे आएं और हमारी टीम का उत्साह बढ़ाएं। यह वास्तव में एक यादगार अवसर होगा।'

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हुए कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका संभालेंगे श्रीलंका की कप्तानी

कोलंबो,एजेंसी। श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर नहीं उबर पाने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में चरिथ असलंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे। कुसल मेंडिस को जुलाई में लंका प्रीमियर लीग में कोलंबो किंग्स की ओर से खेलते हुए दो मुकाबलों के बाद हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। इसी चोट के कारण वह भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे थे। असलंका को शुरुआत में टीम का उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन अब उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। यह सीरीज टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी भी होगी। उन्हें जून में वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। कुसल मेंडिस की जगह बल्लेबाज पवन रथनायके को टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो की जगह दिलशान मदुशंका को टीम में बुलाया गया है। बिनुरा पीठ की चोट के कारण टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 सितंबर को साउथम्पटन के रोज बाउल में खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका की संशोधित टीम

चरिथ असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, लाहिरु उदारा, कामिंदु मेंडिस, जनिथ लियानगे, दासुन शनाका, दुनिथ वेलालागे, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्षणा, थारिंदु रथनायके, दुश्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, नुवान तुषारा, पवन रथनायके, दिलशान मदुशंका।

इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में हारीं अशिमता चालिहा, शू वेन जिंग ने दी मात

पोंटियानक,एजेंसी। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 38 अशिमता चालिहा को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 के क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 81 शू वेन जिंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। शू वेन जिंग ने शुक्रवार को चालिहा को 21-10, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ी शुरुआती चरण में 3-3 और 5-5 से बराबरी पर थीं। इसके बाद शू वेन जिंग ने लगातार अंक जुटाते हुए 8-5 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक चीनी खिलाड़ी 11-7 से आगे थीं और ब्रेक के बाद उन्होंने अपनी बढ़त को लगातार मजबूत किया। शू वेन जिंग ने 17-9 और फिर 20-9 की बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी शू वेन जिंग ने तेज शुरुआत करते हुए 1-1 से आगे निकलकर 6-1 की बढ़त बना ली। चालिहा ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 6-3 किया, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने तुरंत अपनी बढ़त 8-3 कर ली और मध्यांतर तक 11-5 से आगे रहीं। ब्रेक के बाद चालिहा ने शानदार वापसी की और लगातार चार अंक लेकर अंतर 9-11 कर दिया। इसके बाद उन्होंने संघर्ष जारी रखते हुए स्कोर 15-17 तक पहुंचाया। हालांकि, शू वेन जिंग ने दबाव में धैर्य बनाए रखा और 19-15 की बढ़त हासिल कर ली। चालिहा ने एक बार फिर वापसी करते हुए स्कोर 18-19 कर दिया, लेकिन शू वेन जिंग ने 20-18 पर मैच प्वाइंट हासिल किया और पहला ही मैच प्वाइंट भुनाकर दूसरा गेम 21-18 से जीत लिया। यह मुकाबला 33 मिनट चला।

एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों के लिए अंतिम तैयारी शिविर भोपाल और नई दिल्ली में लगेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने आगामी एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजों के अंतिम तैयारी शिविरों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन शिविरों का उद्देश्य खिलाड़ियों की तकनीक को अंतिम रूप देना, मानसिक तैयारी को मजबूत करना और उन्हें प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार करना है। एशियाई खेलों में निशानेबाजी की स्पर्धाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी।

तैयारी शिविर देश के दो प्रमुख निशानेबाजी केंद्रों—भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी और नई दिल्ली की डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किए जाएंगे। खिलाड़ियों की स्पर्धाओं के अनुसार उन्हें संबंधित केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। राइफल और पिस्टल वर्ग के खिलाड़ियों का शिविर 5 से 14 सितंबर तक भोपाल में होगा। शॉटगन की स्कीट स्पर्धा का शिविर 4 से 14 सितंबर और ट्रैप स्पर्धा का शिविर 10 से 18 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, '2026 के एशियाई खेल हमारे निशानेबाजों के लिए महाद्वीपीय स्तर पर अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर हैं। ये तैयारी शिविर पदक जीतने की हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण कदम हैं। हमें अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वस्तरीय संसाधन उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता कायम है, ताकि वे देश का गौरव बढ़ा सकें। संघ के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, 'भोपाल और नई दिल्ली में एक साथ इन शिविरों का आयोजन

यह सुनिश्चित करता है कि हमारे खिलाड़ी अपनी-अपनी स्पर्धाओं के लिए उपयुक्त माहौल में प्रशिक्षण ले सकें। प्रशासनिक टीम ने व्यवस्थाओं, बुनियादी ढांचे और सहयोगी स्टाफ के समन्वय के लिए लगातार काम किया है, ताकि खिलाड़ी पूरी तरह अपनी अंतिम तैयारियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के उच्च प्रदर्शन निदेशक डॉ. पियरे ब्यूशां ने कहा, 'इस महत्वपूर्ण चरण में हमारा ध्यान प्रशिक्षण की मात्रा से ज्यादा सटीकता, मानसिक मजबूती और तकनीकी सुधार पर है। इन अंतिम शिविरों की संरचना से खेल विज्ञान और कोचिंग टीम प्रत्येक खिलाड़ी के प्रदर्शन के आंकड़ों पर करीबी नजर रख सकेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि एशियाई खेलों में निशानेबाजी रेंज पर उतरते समय खिलाड़ी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हों।

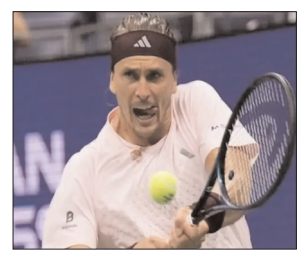

यूएस ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वेंटिन हेली को पांच सेटों में हराया, तीसरे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क। शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले मुकाबले में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरुआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजांद्रो ताबिलो से होगा। जीत के बाद ज्वेरेव ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मेरा प्रदर्शन काफी खराब था लेकिन मैं जीत गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यही है। उन्होंने कहा, 'साढ़े चार घंटे और रात के 2 बजकर 15 मिनट हो चुके हैं। मैं जिम में इसी वजह से मेहनत करता हूं। ज्वेरेव ने उन दर्शकों का भी आभार जताया, जो देर रात तक मुकाबला देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद रहे। ज्वेरेव ने कहा, 'जो कुछ हजार लोग अंत तक रुके, उन्होंने उन 15 हजार दर्शकों की कमी पूरी कर दी, जो स्टेडियम छोड़कर चले गए। पहले सेट में ज्वेरेव का दबदबा रहा। उन्होंने 5-4 की बढ़त बनाने के लिए मैच का एकमात्र ब्रेक हासिल किया

और अगले सर्विस गेम में सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में 4-4 के स्कोर पर ज्वेरेव को ब्रेक प्वाइंट मिला लेकिन हेली ने वापसी करते हुए अपनी सर्विस बचाई और इसके बाद ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट 6-4 से जीत लिया। तीसरे सेट में हेली ने 4-1 की बढ़त बना ली थी लेकिन ज्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने टाईब्रेक में 5-1 की बढ़त बनाने के बाद सेट अपने नाम कर लिया। हालांकि, हेली ने चौथे सेट का टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में हेली से पहली गलती हुई। उनकी फोरहैंड शॉट कोर्ट से काफी बाहर चली गई, जिससे ज्वेरेव को अहम ब्रेक मिला। इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने दो बार अपनी सर्विस बचाकर 5-3 की बढ़त बनाई और फिर थके हुए हेली की सर्विस तोड़कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सूरत में 6 सितंबर को होगा फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 89वां संस्करण, नशा मुक्त युवा का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 89वां संस्करण 6 सितंबर को सूरत में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और फिटनेस, खेल तथा सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया सूरत में होने वाले साइकिलिंग अभियान का नेतृत्व करेंगे। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी इस पहल में हिस्सा लेंगे।

डॉ. मांडविया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का यह संस्करण युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने को समर्पित है। संडे ऑन साइकिल और अन्य फिटनेस गतिविधियों के माध्यम से फिट इंडिया ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर रहा है, जो स्वस्थ, आत्मविश्वासी और अनुशासित हो तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए नशे के दुरुपयोग को देश और युवाओं के लिए एक बड़ी चुनौती बताया था। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए इस आयोजन के माध्यम से खेल और फिटनेस को नशे के खिलाफ जागरूकता के प्रभावी माध्यम के तौर पर बढ़ावा दिया जाएगा। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का यह 89वां संस्करण 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत चलाए जा रहे 100 सप्ताह के राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी अभियान के साथ भी जुड़ा है। इस अभियान का उद्देश्य खेल, फिटनेस, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से नशे के खिलाफ एक सतत जनआंदोलन तैयार करना है। सूरत में साइकिलिंग कार्यक्रम सुबह 6 बजे मंगढ़ चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा से शुरू होगा। साइकिल सवार मिनी बाजार और वराछा मुख्य मार्ग से होते हुए सारथाना चिड़ियाघर पहुंचेंगे, जहां कार्यक्रम का समापन होगा। इस पहल में पद्मश्री से सम्मानित ओलंपियन अचंता शरत कमल, अर्जुन पुरस्कार विजेता सरिता मोर, पहलवान शिवानी पवार और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता राहुल मान सहित कई प्रमुख खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र के कृष्ण चंद्र ने बनाया मीट रिकॉर्ड, शिवानी ने जीता कांस्य

भोपाल,एजेंसी। पंजाब के लुधियाना स्थित गुरु नानक स्टेडियम में 01 से 03 सितंबर 2026 तक आयोजित 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जनसम्पर्क अधिकारी ने दुर्गेश रायकवार शुक्रवार को बताया कि प्रतियोगिता में बोर्डिंग बॉयज खिलाड़ी कृष्ण चंद्र ने पुरुष जैवलिन थ्रो में 79.92 मीटर भाला फेंककर नया मीट रिकॉर्ड बनाया, जबकि बालिका जैवलिन थ्रो में अकादमी की खिलाड़ी शिवानी पटेल ने 49.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। इसी स्पर्धा में शाहिबा बानो ने 48.75 मीटर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि पुरुष जैवलिन थ्रो में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के 17 वर्षीय खिलाड़ी कृष्ण चंद्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नया प्रतियोगिता रिकॉर्ड कायम किया। कृष्ण ने अपने पहले प्रयास में 79.92 मीटर भाला फेंका। उनका चौथा प्रयास भी 78.15 मीटर रहा। छह प्रयासों में से दो ही वैध रहे और दोनों प्रयास पूर्व मीट रिकॉर्ड से बेहतर रहे, जबकि अन्य चार प्रयास फाउल रहे। कृष्ण चंद्र मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी में कोच मोहम्मद हदीश के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रतियोगिता के बाद उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य राष्ट्रीय रिकॉर्ड के करीब पहुंचना था, लेकिन कमर में दर्द होने के कारण वे अपने प्रदर्शन को आगे नहीं बढ़ा सके।

कृष्ण चंद्र के शानदार प्रदर्शन के बाद आगामी यूथ ओलंपिक गेम्स के लिए उनके संभावित चयन की चर्चा भी है। हालांकि, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) की ओर से अभी उनके

चयन को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में उनका चयन फिलहाल संभावित माना जा रहा है। यदि उनका चयन होता है, तो यह मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी और प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।बालिका जैवलिन थ्रो स्पर्धा में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी की खिलाड़ी शिवानी पटेल ने 49.35 मीटर के शानदार प्रदर्शन के साथ तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक जीता। शिवानी ने अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। इसी स्पर्धा में अकादमी की एक अन्य खिलाड़ी शाहिबा बानो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 48.75 मीटर भाला फेंककर प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से अकादमी और प्रदेश को गौरव मिला है। 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में म ध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उनकी मेहनत, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। कृष्ण चंद्र का मीट रिकॉर्ड, शिवानी पटेल का कांस्य पदक और शाहिबा बानो का चौथा स्थान प्रदेश की उभरती एथलेटिक्स प्रतिभाओं की क्षमता को प्रदर्शित करता है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कृष्ण चंद्र के मीट रिकॉर्ड प्रदर्शन, शिवानी पटेल के कांस्य पदक और शाहिबा बानो के चौथे स्थान पर रहने की उपलब्धि की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एशियन गेम्स 2026 से पहले भारतीय निशानेबाजी टीम का भोपाल में प्रशिक्षण

भोपाल,एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजी टीम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। एशियन गेम्स से पहले भारतीय निशानेबाजी टीम का अंतिम विशेष तैयारी शिविर एक बार फिर भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा गुरुवार को जानकारी दी गई कि उक्त प्रशिक्षण शिविर 05 से 14 सितंबर 2026 तक मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में संचालित होगा। शिविर के बाद भारतीय निशानेबाज एशियन गेम्स 2026 में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक के लिए निशाना साधेंगे।

9 पुरुष और 9 महिला निशानेबाज लेंगे हिस्सा

बताया गया कि विशेष तैयारी शिविर में कुल 18 एथलीट्स शामिल होंगे, जिसमें 9 पुरुष और 9 महिला निशानेबाज हैं। पुरुष वर्ग में पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार, केदारलिंग बालकृष्ण उचागवने, कमलजीत, आकाश भारद्वाज और अनीश शामिल हैं। महिला वर्ग में इलावेनिल वालारिवन, सोनम उत्तम मस्कर, विदार्सा के. विनोद, आषी चौकसे, तिलोत्तमा सेन, सुरुचि, ईशा सिंह, मनु भाकर और राही सरनोबत प्रशिक्षण लेंगी।

शीर्ष निशानेबाजों के अनुभव से मजबूत होगी एशियन गेम्स की तैयारी

भारतीय टीम में शामिल निशानेबाजों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मनु भाकर, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और ईशा सिंह जैसे शीर्ष निशानेबाज टीम की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मनु भाकर ने ओलंपिक स्तर पर 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में कांस्य पदक सहित दो ओलंपिक पदक हासिल किए हैं। वहीं ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने ढ्ढस्स्स्न विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप और एशियन चैंपियनशिप सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। ईशा सिंह ने भी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी

मजबूत पहचान बनाई है और विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप, एशियन चैंपियनशिप तथा एशियन गेम्स में पदक हासिल किए हैं। इन अनुभवी और प्रतिभाशाली निशानेबाजों की मौजूदगी से भारतीय टीम को एशियन गेम्स से पहले अंतिम तैयारियों में मजबूती मिलेगी।

राइफल और पिस्टल के विशेषज्ञ कोच संभालेंगे प्रशिक्षण की जिम्मेदारी

कैंप में राइफल और पिस्टल के विशेषज्ञ कोच खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। विदेशी कोच थॉमस फार्निक राइफल और जलेना अरुनोविक पिस्टल की जिम्मेदारी संभालेंगी। इसके अलावा समरेश जंग 10 मीटर पिस्टल के हेड कोच, विद्या जाधव 10 मीटर पिस्टल कोच, हरप्रीत सिंह 25 मीटर पिस्टल कोच, डी.एस. चंदेल 10 मीटर राइफल हाई परफॉर्मेंस कोच, पूजा घाटकर 10 मीटर राइफल कोच, मनोज कुमार 50 मीटर राइफल के हेड कोच तथा सतगुरुदास 50 मीटर राइफल कोच के रूप में दल के साथ रहेंगे।

फिटनेस और मानसिक तैयारी पर भी रहेगा विशेष फोकस

एशियन गेम्स से पहले आयोजित इस अंतिम शिविर में खिलाड़ियों की तकनीकी तैयारियों के साथ उनकी फिटनेस, रिकवरी और मानसिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। दल में हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर डॉ. पियरे ब्यूचैंप, हाई परफॉर्मेंस मैनेजर रौनक पंडित, फिजियोथेरेपिस्ट स्नेहिल खुराना, संचिता मुखर्जी और अनुज गुप्ता शामिल हैं। इसके साथ ही विजेंद्र पाल सिंह एवं मयंक सिंह गरिया स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग ट्रेनर तथा शिवम द्विवेदी एवं अक्षिता शेखोन स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के रूप में खिलाड़ियों को अपनी सेवाएं देंगे।

मध्य प्रदेश उपलब्ध करा रहा अत्याधुनिक शूटिंग सुविधाएं

अंतिम तैयारी शिविर के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा राज्य शूटिंग अकादमी की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर शूटिंग रेंज, फाइनल रेंज तथा फिटनेस के लिए जिम की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। एक ही परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज और फिटनेस सुविधाएं मिलने से भारतीय निशानेबाजों को एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी।

अगस्त में भी भोपाल में हुआ था विशेष तैयारी शिविर

एशियन गेम्स 2026 की तैयारियों के तहत भारतीय निशानेबाजी टीम का विशेष तैयारी शिविर इससे पहले 14 से 25 अगस्त 2026 तक भोपाल में आयोजित किया गया था। इस दौरान 18 शीर्ष निशानेबाजों सहित 36 सदस्यीय दल ने मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की अत्याधुनिक सुविधाओं में प्रशिक्षण लिया था। अब एशियन गेम्स से ठीक पहले 05 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाला यह शिविर टीम का अंतिम तैयारी शिविर है। इसमें खिलाड़ी प्रतियोगिता से पहले अपनी तकनीक, फिटनेस और मानसिक तैयारी को अंतिम रूप देंगे।

भोपाल से एशियन गेम्स के लिए रवाना होगी भारतीय निशानेबाजी टीम

05 से 14 सितंबर तक चलने वाला यह शिविर भारतीय निशानेबाजी टीम का एशियन गेम्स 2026 से पहले अंतिम तैयारी चरण होगा। शिविर के दौरान खिलाड़ी अपनी तकनीक को बेहतर करने के साथ प्रतियोगिता की परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार करेंगे। 14 सितंबर को शिविर समाप्त होने के बाद भारतीय निशानेबाज एशियन गेम्स 2026 में देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ सीधे प्रतियोगिता में उतरेंगे। भारतीय निशानेबाजी टीम का लगातार भोपाल में प्रशिक्षण लेना मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की विश्वस्तरीय सुविधाओं और प्रदेश की मजबूत खेल अधोसंरचना को भी रेखांकित करता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

एक नजर

हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरे मोहन भागवत, लंदन में हुआ भव्य स्वागत

लंदन,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां प्रवासी भारतीयों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद एक भारतीय परिवार ने घर में आरती की थाली, तिलक और फूलों से आत्मीय अगवानी की। यह दौरा आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर ब्रिटिश संगठन 'इंटीग्रल' के निमंत्रण पर पीपुल-टू-पीपुल संपर्क के लिए हो रहा है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत दो से सात सितंबर तक ब्रिटेन के दौरे पर हैं।

जन्माष्टमी के अवसर पर नेपाल के राष्ट्रपति ने पाटन के कृष्ण मंदिर में की पूजा-अर्चना

काठमांडू,एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को ललितपुर के पाटन स्थित प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति पौडेल प्रथम महिला सबिता पौडेल के साथ पाटन दरबार क्षेत्र स्थित कृष्ण मंदिर पहुंचे और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-आराधना की। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष राष्ट्राध्यक्ष द्वारा कृष्ण मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की परंपरा रही है। कृष्ण मंदिर परिसर में राष्ट्रपति पौडेल का सांसद जगदीश खरेल, ललितपुर महानगरपालिका के प्रमुख चिरीबाबु महर्जन सहित जनप्रतिनिधियों और मंदिर के पुजारियों ने स्वागत किया।

नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के लिए 29 देशों समेत बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सहयोग

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में आई आपदा के दौरान अबतक 29 देशों समेत बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने नेपाल को सहयोग और समर्थन दिया है। कुछ देशों ने आवश्यक मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है, जबकि कुछ ने आर्थिक सहायता के साथ राहत सामग्री भी भेजी है। विदेश मंत्रालय की शुक्रवार दोपहर की प्रेस ब्रीफिंग के अनुसार, आपदा के समय पर एकजुटता और सहयोग प्रदान करने वाले देशों में भारत, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन, जापान, अमेरिका, कतर, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, लातविया, लक्जमबर्ग, मलेशिया, म्यांमार, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नॉर्वे, इजराइल, कनाडा, श्रीलंका, थाईलैंड, वियतनाम, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, स्विट्जरलैंड, आयरलैंड और चेक गणराज्य शामिल हैं। इसी तरह यूरोपीय संघ, एशियाई विकास बैंक, विश्वबैंक, संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अन्य मित्र देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी नेपाल को सहायता प्रदान की है। इसके अलावा व्यक्तिगत स्तर पर और सामाजिक संस्थाओं की ओर से भी नेपाल के लिए सहायता की घोषणा की गई है। नेपाल सरकार ने सभी देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, संस्थाओं और सहयोग करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बाढ़ के बाद त्रिशूली नदी के कटान से पृथ्वी राजमार्ग क्षतिग्रस्त, यातायात प्रभावित

काठमांडू,एजेंसी। रसुवा में आई बाढ़ के बाद त्रिशूली नदी के कटान से पृथ्वी राजमार्ग के विभिन्न स्थानों पर सड़क धंस गई है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। नेपाल की संघीय राजधानी काठमांडू को पश्चिमी क्षेत्र से जोड़ने वाले इस प्रमुख राजमार्ग पर नदी के कटान के कारण कई जगहों पर आवागमन पूरी तरह ठप होने की स्थिति पैदा हो गई है। नागढुंगा-मुग्लिन सड़क परियोजना के पूर्वी खंड के इंजीनियर राजीव मानन्धर के अनुसार, मलेखु से पहले कृष्णभीर में बाढ़ के कारण करीब 120 मीटर सड़क कटने के बाद भूस्खलन हुआ और सड़क धंस गई। वहीं, मलेखु से काठमांडू की ओर करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित परेवाभीर में भी करीब 100 मीटर सड़क नदी के कटान की चपेट में आई है। इसी तरह छहरे-चालिसे क्षेत्र में करीब 40 मीटर सड़क कटने के कारण फिलहाल एकतरफा यातायात संचालित हो रहा है। नागढुंगा चेकपोस्ट से करीब 500 मीटर दूर भी लगभग 80 मीटर सड़क पर भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते केवल एक लेन से यातायात चल रहा है। पृथ्वी राजमार्ग की स्थिति जोखिमपूर्ण होने के कारण सड़क विभाग ने यात्रियों और मालवाहक वाहनों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

विभाग के अनुसार, बड़े मालवाहक वाहनों के लिए बीपी राजमार्ग, कान्ति लोकपथ और त्रिभुवन राजपथ को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। हेटौंडा-फर्पिङ होते हुए काठमांडू आने वाले छोटे वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। इस बीच, फिस्लिङ क्षेत्र में रुके यात्रियों के लिए ज्यामिरेघाट पुल होते हुए गोरखा के सिउरेनीटार-घ्याल्चोक से बेनीघाट पुल तक पहुंचने वाले वैकल्पिक मार्ग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, परेवाटार में सड़क की मरम्मत पूरी करने के बाद 12 चक्के तक के मालवाहक वाहनों को चलाने की तैयारी की जा रही है।

रूसी तेल खरीद पर प्रतिबंध से यूक्रेन संकट हल नहीं होगा: एस. जयशंकर

कीव,एजेंसी। भारत ने रूसी तेल की खरीद को लेकर अपनी नीति का बचाव करते हुए साफ़ कहा है कि ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने से यूक्रेन संकट का समाधान नहीं होगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद का हल केवल बातचीत, कूटनीति और राजनीतिक संवाद के जरिए ही निकाला जा सकता है। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के बाद प्रेस से बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह संघर्ष अपने पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है और केवल इस आधार पर इसका समाधान नहीं हो सकता कि कोई देश रूस से तेल, खनिज, धातु या अन्य वस्तुएं खरीद रहा है या नहीं।

जब जयशंकर से पूछा गया कि अगर अमेरिका रूस के प्रमुख तेल खरीदारों पर नए और कड़े प्रतिबंध लगाता है तो क्या भारत रूसी तेल की खरीद कम करेगा, उन्होंने भारत की विशाल ऊर्जा जरूरतों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक ऊर्जा परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं और भारत के सामने 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी है। ऊर्जा बाजार पर नजर रखने वाली फर्म केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता रहा। रूस से भारत के कुल कच्चे तेल आयात का करीब 45 फीसदी, यानी लगभग 21 लाख बैरल प्रतिदिन,

आया। हालांकि, यह जुलाई के करीब 28 लाख बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड आयात से कम था। जयशंकर ने कहा कि भारत यूक्रेन के रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर नजरिए का सम्मान करता है लेकिन नई दिल्ली भी उम्मीद करती है कि उसके स्वतंत्र ऊर्जा और विदेश नीति संबंधी फैसलों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत युद्ध के मैदान से समाधान निकलने की उम्मीद नहीं करता। उनके मुताबिक, संघर्ष जितना लंबा चलेगा, उतनी ही अधिक मौतें और तबाही होगी। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका में 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर चर्चा होनी बाकी है। यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है और रूस के प्रमुख तेल एवं गैस खरीदारों पर कड़े आर्थिक दबाव का रास्ता खोल सकता है। प्रस्तावित कानून के तहत रूस के शीर्ष पांच तेल खरीदारों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने का प्रावधान है। यूक्रेन इस विधेयक को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित कराने के लिए समर्थन जुटा रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत, रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए आगे का रास्ता तलाशने में दोनों पक्षों की मदद करने को तैयार है। नई दिल्ली लगातार मॉस्को और कीव, दोनों के संपर्क में है। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 31 अगस्त को किर्गिस्तान के बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान मोदी ने कहा था कि दुनिया को 'अंतहीन युद्ध' से आगे बढ़कर युद्ध समाप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए। दोनों नेताओं की अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान फिर से मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है। जयशंकर की कीव यात्रा किसी भारतीय विदेश मंत्री की यूक्रेन की पहली विशेष द्विपक्षीय यात्रा है। उनकी यात्रा को भारत की उस नीति के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें भारत, रूस के साथ अपने रणनीतिक और ऊर्जा संबंध बनाए रखते हुए यूक्रेन संकट के कूटनीतिक समाधान पर जोर दे रही है।

जर्मनी ने इजराइल को 800 मिलियन यूरो के हथियार निर्यात की दी मंजूरी

बर्लिन,एजेंसी। जर्मनी ने इस साल जनवरी से जून के बीच इज़राइल को करीब ₹800 मिलियन (लगभग 87,720 करोड़ रुपये) के हथियार और सैन्य उपकरण निर्यात की मंजूरी दी है। यह रकम पिछले साल जर्मनी द्वारा मंजूर किए गए हथियार निर्यात के कुल मूल्य से करीब चार गुना अधिक है। यह जानकारी जर्मन सरकार ने संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में दी। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) ने बताया कि, सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मंजूर किए गए निर्यात के करीब एक-पांचवें हिस्से का संबंध जर्मनी-इज़राइल रक्षा सहयोग से था, जिससे जर्मन सेना को भी लाभ हुआ। कुल मंजूर राशि का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा आईएनएस ड्रेकॉन से जुड़ा बताया गया है। यह जर्मन शिपबिल्डर टीकेएमएस द्वारा इज़राइल के लिए बनाई गई लगभग 70 मीटर लंबी डॉल्फ़िन-II श्रेणी की पनडुब्बी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह पनडुब्बी मंगलवार को जर्मनी के कील बंदरगाह से रवाना हुई और इज़राइल की ओर जा रही है। इसे लंबे समय तक पानी के भीतर रहने में सक्षम बनाया गया है। जर्मन सरकार के मुताबिक बाकी मंजूर निर्यात में ऐसे सैन्य उपकरण शामिल हैं जिन्हें कानूनी तौर पर सीधे तौर पर 'युद्ध के हथियार' की श्रेणी में नहीं रखा जाता। इनमें छोटे हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और ड्रोन जैसे उपकरण शामिल हैं। विपक्षी लेफ्ट पार्टी ने सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए उस पर इज़राइल को लेकर 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया है। सांसद ली रेसनर ने कहा कि जर्मन सरकार एक तरफ़ इज़राइली मंत्री इतामार बेन-ग्विर के बयानों पर नाराज़गी जताती है, जबकि दूसरी तरफ़ इज़राइली सरकार और सेना के साथ रक्षा सहयोग जारी रखती है। जर्मनी ने अगस्त, 2025 में गाज़ा शहर पर इज़राइल के संभावित कब्ज़े की योजना के बाद इज़राइल को कुछ हथियारों के निर्यात पर अस्थायी रोक लगाई थी। हालांकि, अमेरिका की मध्यस्थता वाले हमास-इज़राइल युद्धविराम के बाद नवंबर में यह प्रतिबंध हटा दिया गया। इसके बाद भी गाज़ा और लेबनान में इज़राइली सैन्य अभियान जारी रहने को लेकर जर्मनी की हथियार निर्यात नीति पर सवाल उठते रहे हैं। इसी बीच जर्मनी और इज़राइल के बीच सैन्य सहयोग भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। जर्मन नौसेना ने बुधवार को बताया कि उसने उत्तरी अटलांटिक में करीब 500 किलोमीटर की रेंज वाली इज़राइली बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

नेपाल के पीएम बालेन शाह का जन्माष्टमी पर भावुक संदेश, बाढ़ पीड़ित बच्चों से बोले- जल्द मिलेगा आशियाना

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश के बाढ़ प्रभावित बच्चों के नाम भावुक संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि जहां देशभर में बच्चे राधा-कृष्ण के रूप में सजकर जन्माष्टमी का उत्सव मना रहे हैं, वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के बच्चे इस बार गहरे दुख और पीड़ा में हैं। पीएम शाह ने कहा कि कई बच्चे अब भी अपने माता-पिता और परिजनों की तलाश कर रहे होंगे। बाढ़ के कारण कई घर और बस्तियां खंडहर में बदल गई हैं और बच्चों के खेलने के मैदान तक मलबे में दब गए हैं।

उन्होंने बताया कि बाढ़ के तुरंत बाद गंभीर रूप से घायलों, गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के साथ बच्चों को भी बचाव अभियान में प्राथमिकता दी गई थी और यह अभियान अभी जारी है। प्रभावित इलाकों में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में रह रहे बच्चों के लिए जल्द सुरक्षित और सुविधाजनक आवास की व्यवस्था करने का आश्वासन भी उन्होंने दिया। प्रधानमंत्री ने बच्चों से भविष्य की आपदाओं के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए 'आपदा बैग' तैयार करने, छोटी-छोटी बचत करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन एवं चर्चा करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल हिमाली देश है और जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर हिमालयी क्षेत्र पर पड़ रहा है। इसलिए बच्चों सहित सभी नागरिकों को आपदा से बचने, उससे लड़ने और दूसरों की जान बचाने के बारे में सीखना जरूरी है। पीएम शाह के अनुसार, बाढ़ और आपदा के बाद अब तक 13 हजार 95 लोगों का सफलतापूर्वक उद्धार किया जा चुका है। उन्होंने बचाव अभियान में दिन-रात जुटे नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल नेपाल और अन्य विशेषज्ञ टीमों का आभार जताया। उन्होंने विदेशों में रहने वाले नेपाली नागरिकों, मित्र देशों और विकास साझेदार संस्थाओं की मदद के लिए भी धन्यवाद दिया। अपने संदेश के अंत में बालेन शाह ने बच्चों से एकजुटता, सद्भाव और भाईचारे के साथ संकट का सामना करने की अपील की। उन्होंने श्रीकृष्ण के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि संघर्ष और विपदा के समय निराश होकर बैठना नहीं चाहिए, बल्कि धैर्य, कर्तव्य और एकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के ब्रिटेन दौरे में पीपुल-टू-पीपुल संवाद पर जोर

संघ प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर बोले- सामुदायिक नेताओं के कार्यक्रम को 310 संगठनों का मिल रहा समर्थ

नलंदन,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत दो से सात सितंबर तक ब्रिटेन के दौरे पर हैं। संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार इस यात्रा के दौरान 100 से अधिक संगठनों ने भागवत का स्वागत किया है और उनके विभिन्न कार्यक्रमों में सहयोग कर रहे हैं। सामुदायिक नेताओं के लिए आयोजित होने वाले एक प्रमुख कार्यक्रम को 310 संगठनों का समर्थन प्राप्त है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हो रहा यह दौरा ब्रिटेन स्थित संगठन 'इंटीग्रल' के निमंत्रण पर आयोजित किया गया है। आंबेकर ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सरकारों के बीच कूटनीतिक संवाद अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए लोगों के बीच सीधे संपर्क और संवाद भी आवश्यक है। उनके अनुसार, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को मजबूत करने से आपसी समझ को व्यापक आधार मिल सकता है।

आंबेकर ने कहा कि आरएसएस संस्कृति और सभ्यता के आधार पर काम करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है और वैश्विक स्तर पर इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि भागवत का ब्रिटेन दौरा सरकारों के स्तर पर होने वाले संवाद के

साथ-साथ 'पीपुल-टू-पीपुल' और 'कल्चर-टू-कल्चर' संपर्क को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

हिंदुत्व की पश्चिमी समझ पर आरएसएस की आपत्ति

हिंदुत्व की पश्चिमी अकादमिक समझ को लेकर पूछे गए सवाल पर आंबेकर ने कहा कि इसके बारे में कई गलत धारणाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत को केवल आधुनिक राजनीतिक राष्ट्र-राज्य की अवधारणा के आधार पर नहीं समझा जा सकता, बल्कि इसकी एक व्यापक सांस्कृतिक और सभ्यतागत पहचान भी है। आंबेकर ने कहा कि हिंदुत्व को किसी एक धर्म तक सीमित अवधारणा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनके अनुसार, इसमें विभिन्न धर्मों और धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान तथा सत्य में विश्वास जैसे विचार शामिल हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोहन भागवत की ब्रिटेन यात्रा के दौरान होने वाले संवाद से भारत की सांस्कृतिक अवधारणा और हिंदुत्व को लेकर मौजूद धारणाओं को समझने में मदद मिलेगी।

होर्मुज में अमेरिका के समर्थन में सेना की तैनाती पर विचार कर रहा है दक्षिण कोरिया

सियोल (दक्षिण कोरिया)। दक्षिण कोरिया होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में अमेरिका की मदद करने के लिए वहां सैन्य कर्मियों की तैनाती पर विचार कर रहा है। द कोरिया हेराल्ड ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कार्यालय चेओंग वा डे के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में इस अधिकारी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिकारी ने कहा कि यह कोरियाई प्रायद्वीप पर रक्षा तैयारियों की स्थिति और घरेलू कानूनी जरूरतों के आधार पर तय किया जाएगा। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

यह बयान स्थानीय प्रसारक जेटीबीसी की गुरुवार की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया कि सरकार होर्मुज जलडमरूमध्य में सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रही है और नेशनल असेंबली में तैनाती की मंजूरी का प्रस्ताव पेश करने में अधिक समय नहीं लगेगा। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रपति भवन के अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अभी किसी खास कार्रवाई का फैसला नहीं किया है। उन्होंने सियोल के इस रुख को दोहराया कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री रास्ते सुनिश्चित करने में ठोस और सैन्य योगदान देगा। अधिकारी ने कहा, 'अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है, लेकिन हम सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। अधिकारी ने

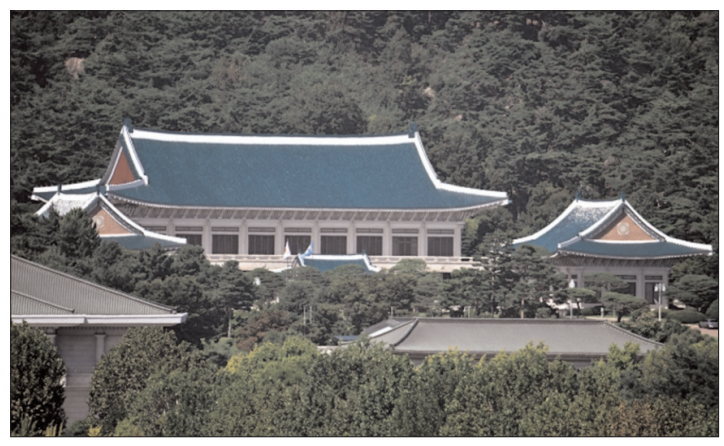

कहा, 'सियोल की सेना लड़ाई में भी अमेरिका का साथ दे सकती है।' इस अधिकारी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दक्षिण कोरिया के किसी भी 'ठोस योगदान' के लिए सबसे पहले कोरियाई प्रायद्वीप पर देश की सैन्य तैयारी के आधार पर इसका आकलन किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, 'हम कोरियाई प्रायद्वीप पर अपनी तैयारी की स्थिति के संबंध में विभिन्न संभावनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। हमारा मानना है कि जब तक इससे कोरियाई प्रायद्वीप पर हमारी तैयारी की स्थिति पर कोई खास असर नहीं पड़ता, तब तक इसमें कुछ गुंजाइश हो सकती है। उन्होंने कहा कि घरेलू कानून को भी ध्यान में रखना होगा। संविधान के अनुच्छेद 60, पैराग्राफ 2 के तहत, नेशनल असेंबली को दक्षिण कोरियाई सशस्त्र बलों की विदेशी तैनाती के लिए सहमति देने का अधिकार है। अधिकारी ने कहा, 'घरेलू कानूनी प्रक्रियाओं का मतलब अंतत: नेशनल असेंबली के साथ परामर्श करना और उसकी सहमति प्राप्त करना है। हम अभी उस चरण तक नहीं पहुंचे हैं। क्यूंगनाम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर फार ईस्टर्न स्टडीज में विजिटिंग रिसर्च फेलो डू जिन-हो ने सुझाव दिया कि सियोल होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित तैनाती को वाशिंगटन के साथ व्यापार और गठबंधन से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर बढ़त हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है। डू ने कहा, 'इस समय सैनिकों की तैनाती पर विचार क्यों किया जा रहा है? ऐसा लगता है कि सरकार का मानना है कि किसी तरह के असाधारण कदम की आवश्यकता है।

रूस अगस्त में बना भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर, कुल आयात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी

मॉस्को/नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों के बढ़ते खतरे और आयात में गिरावट के बावजूद रूस अगस्त में भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बना रहा। मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में रूस ने भारत को प्रतिदिन करीब 21 लाख बैरल कच्चा तेल सप्लाई किया, जो देश के कुल तेल आयात का लगभग 45 फीसदी था। हालांकि, रूस से भारत की तेल खरीद जुलाई के रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गई। जुलाई में रूस ने भारत को करीब 28 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सप्लाई किया था, जो भारत की कुल क्रूड खरीद के आधे से अधिक के बराबर था।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) ने केप्लर के हवाले से बताया कि अगस्त में भारत का कुल कच्चा तेल आयात घटकर करीब 46 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। जुलाई में यह आंकड़ा लगभग 50 लाख बैरल प्रतिदिन था। यानी एक महीने में कुल आयात में करीब 8 फीसदी की कमी आई। विश्लेषकों के मुताबिक, अगस्त में रूसी तेल की कम खरीद को सिर्फ भारत की मांग में कमी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। मई, जून और जुलाई में मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच संभावित आपूर्ति संकट से बचने के लिए भारतीय रिफाइनरियों ने जमकर तेल खरीदा था। इसके बाद अगस्त में कुछ रिफाइनरियां सामान्य खरीद स्तर पर लौटीं। साथ ही, कई रिफाइनरियों में निर्धारित मेंटेनेंस और रूसी क्रूड की सीमित उपलब्धता ने भी आयात को प्रभावित किया। अबू धाबी की कमोडिटी एनालिस्ट नतालिया काटोना के मुताबिक, अगस्त में भारत ने अपनी इच्छा से रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती नहीं की बल्कि रूस के पास निर्यात के लिए उपलब्ध बैरल की संख्या कम थी। समुद्री रास्ते से रूसी तेल के कम निर्यात और उपलब्ध कार्गो के लिए चीनी रिफाइनरियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का भी असर पड़ा। अगस्त में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और वेनेजुएला भारत के अन्य प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहे। खासतौर पर वेनेजुएला से भारत की तेल खरीद में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में वेनेजुएला से होने वाली सप्लाई 2020 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। रूसी तेल भारत के ऊर्जा मिश्रण का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाली तेल आपूर्ति को लेकर संभावित जोखिमों के बीच भारत अपने लिए पर्याप्त और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहता है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 90 फीसदी आयात करता है। ऐसे में कीमत, उपलब्धता और आपूर्ति की स्थिरता भारत की तेल खरीद नीति के प्रमुख आधार हैं।

एक नजर

श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म और प्रेम की प्रेरणा देता है: सीएम

रांची,एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव आयोजन समिति की ओर से आयोजित श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं दही हांडी प्रतियोगिता में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समस्त राज्य वासियों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां हम सभी लोग श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। मैं स्वयं लगातार इन कार्यक्रमों में आपके साथ रहा हूं। आज के अवसर पर यहां उपस्थित श्रद्धालुओं की भीड़ ने इस पावन बेला को और ज्यादा उत्साहपूर्ण बनाया है। इस कार्यक्रम में कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। मैं अपनी ओर से यहां उपस्थित सभी भक्तजनों एवं प्रतिभागियों को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन और उनके उपदेश मानवता को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा एवं कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि भगवान श्री कृष्ण की कृपा और आशीर्वाद से झारखंड प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे तथा राज्य निरंतर विकास एवं उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। मौके पर मुख्यमंत्री ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव में सम्मिलित प्रतिभागियों को सम्मानित तथा दही हांडी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक सुरेश कुमार बैठा, झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कृष्ण जन्मोत्सव आयोजन समिति के संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में बोले धीरेंद्र शास्त्री- ये अकबर का नहीं रघुवर का देश है, रोकने वाले देख लें हम यहीं हैं

हावड़ा,एजेंसी। पश्चिम बंगाल पहुंचे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को हावड़ा में अपने अंदाज में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह अकबर का देश नहीं बल्कि रघुवर का देश है। उन्होंने कहा कि एक समय यहां बाबर के नाम पर चीजें बनाई जा रही थीं, लेकिन अब यहां जो भी बनेगा, वह रघुवर के नाम पर बनेगा। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'कुछ लोग कहते थे कि बाबा को पश्चिम बंगाल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। मैंने कहा था कि भाई, कोई बात नहीं। अब हम यहां हैं।' उनके इस बयान के बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मंत्री उमेश राय, विधायक संजय सिंह समिति गणमान्य लोग उपस्थित थे। जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अब पश्चिम बंगाल में दादा की सरकार है, राम भक्तों की सरकार है, भगवा सरकार है, अब यहां सब कुछ मंगलमय होगा, तब मुख्यमंत्री अधिकारी हाथ जोड़कर खड़े हो गए और उन्हें प्रणाम करते हुए नजर आए। धीरेंद्र शास्त्री पहली बार कोलकाता में श्री हनुमंत कथा के आयोजन के लिए पश्चिम बंगाल पहुंचे हैं। उनके कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके स्वागत के लिए जुटे। भक्तों ने फूल-मालाएं पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान एयरपोर्ट परिसर जय श्रीराम और बागेश्वर बालाजी के जयघोष से गूंज उठा। पंडित धीरेंद्र शास्त्री 4 से 6 सितंबर तक कोलकाता में रहेंगे। इस दौरान श्री हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है। उनके कार्यक्रम को लेकर कोलकाता और पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में काफी उत्साह है। उनके स्वागत में कई जगह होर्डिंग और बैनर भी लगाए गए हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कथा में पहुंचने की संभावना है।

बिहार के जिला अस्पतालों में सर्जरी सेवाओं ने पकड़ी रफ्तार, अगस्त में 8,209 मरीजों की हुई सर्जरी

पटना,एजेंसी। बिहार के जिला अस्पतालों में सर्जरी की सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। अब मरीजों को अपने ही जिले में पहले की तुलना में अधिक संख्या में सर्जिकल सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। इस साल जून से अगस्त के बीच जिला अस्पतालों में सर्जरी की संख्या में लगातार बढ़ोतरी इसका स्पष्ट संकेत है। जिला अस्पतालों में सर्जिकल सेवाओं को अधिक प्रभावी और नियमित बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है। राज्य के जिला अस्पतालों में जून, 2026 में कुल 2,428 सर्जरी हुई थी। जुलाई में यह संख्या बढ़कर 5,650 और अगस्त में 8,209 हो गई। यानी अगस्त में जुलाई महीने की तुलना में 2,559 अधिक सर्जरी की गईं, जो जुलाई की तुलना में 45.3 प्रतिशत की वृद्धि है। तीन महीनों के दौरान सर्जरी की संख्या में यह निरंतर वृद्धि जिला अस्पतालों में उपलब्ध सर्जिकल सेवाओं के बेहतर उपयोग और संचालन को दर्शाती है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, सर्जिकल सेवाओं को नियमित रूप से संचालित करने और विशेषज्ञ विभागों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इसका असर अस्पतालों में होने वाली सर्जरी की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। विभाग का प्रयास है कि जिला अस्पतालों में उपलब्ध ऑपरेशन थिएटर, आवश्यक उपकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाओं का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो तथा मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक उपचार मिल सके।

वैशाली, पटना, अररिया और मधेपुरा ने किया बेहतर प्रदर्शन

अगस्त महीने में सर्जरी के मामले में वैशाली जिला अस्पताल सबसे आगे रहा। यहां एक महीने में 651 सर्जरी की गईं। वहीं पटना में 587, अररिया में 529, मधेपुरा में 494 और भोजपुर में 362 सर्जरी हुईं। इन जिलों में सर्जिकल सेवाओं का बेहतर संचालन जिला अस्पतालों में उपलब्ध सेवाओं के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है। इन आंकड़ों से यह भी सामने आता है कि जिला स्तर पर अस्पतालों की सर्जिकल सेवाएं अब अधिक सक्रियता के साथ संचालित हो रही हैं। अलग-अलग जिलों में सर्जरी की बढ़ती संख्या से स्थानीय स्तर पर मरीजों को उपचार की सुविधा मिलने का लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलों में उपलब्ध सेवाओं की नियमित समीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि सर्जिकल सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंच सके।

तीन महीने में बदली तस्वीर

जून से अगस्त तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो जिला अस्पतालों में सर्जरी की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। जून में जहां 2,428 सर्जरी हुईं, वहीं दो महीने बाद अगस्त में यह संख्या 8,209 तक पहुंच गई। यह बढ़ोतरी जिला अस्पतालों में सर्जिकल सेवाओं के विस्तार और उनके अधिक प्रभावी संचालन की दिशा में हो रहे प्रयासों को दर्शाती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला अस्पतालों की नियमित समीक्षा और वहां उपलब्ध सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से सर्जिकल सेवाओं को गति मिली है। विभाग का जोर इस बात पर है कि जिला अस्पतालों में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं का अधिकतम उपयोग हो और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उनके घर नजदीक ही मिल सके। इसके साथ ही अस्पतालों में उपलब्ध मानव संसाधन और आधारभूत सुविधाओं का बेहतर समन्वय करते हुए मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

अनावश्यक रेफरल कम करने सहित जिला अस्पतालों को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता : स्वास्थ्य मंत्री

इस बाबत स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि जिला अस्पतालों में सर्जरी की बढ़ती संख्या हमारे लिए उत्साहजनक है। यह उपलब्धि रेफरल कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, इसका सीधा लाभ राज्य आम मरीजों को मिल रहा है। सरकार का प्रयास है कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़े और उनके अपने जिले में ही आवश्यक उपचार उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि जिला अस्पतालों में सामान्य उपचार के साथ-साथ विशेषज्ञ चिकित्सा और सर्जिकल सुविधाएं भी मजबूत हों। इसके लिए अस्पतालों की क्षमता, सेवाओं और मानव संसाधन को लगातार बेहतर किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में सर्जरी सेवाओं का विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीकी सरकारी अस्पताल में ही उपलब्ध हों।

सत्य, धर्म और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है भगवान श्रीकृष्ण का जीवन : राज्यपाल

रांची,एजेंसी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि बोड़ेया का श्री मदनमोहन मंदिर धार्मिक आस्था के साथ-साथ झारखण्ड की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्यपाल शुक्रवार को रांची के बोड़ेया स्थित श्री मदनमोहन मंदिर में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1665 में निर्मित इस मंदिर से जुड़े शिलालेख एवं ताम्रपत्र इसकी ऐतिहासिकता के महत्वपूर्ण प्रमाण हैं। ऐसी विरासत हमें अपनी जड़ों, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ती है। राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी सत्य, धर्म और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनका व्यक्तित्व प्रेम, करुणा, मित्रता, ज्ञान एवं कर्तव्य का सुंदर समन्वय है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण की ओर से दिया गया कर्म और आत्मविश्वास का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि निष्काम कर्म और कर्तव्य के प्रति निष्ठा का यह संदेश प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उक्त अवसर पर राज्यपाल की ओर से 'श्री मदनमोहन स्वामी स्तुति' का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह केवल एक स्तुति का प्रकाशन नहीं, बल्कि भक्ति, आस्था और परंपरा को शब्दों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने इस पहल के लिए मंदिर समिति को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत तभी जीवंत और समृद्ध बनी रहेगी, जब नई पीढ़ी उससे जुड़ेगी। युवाओं को अपने इतिहास, प्राचीन मंदिरों, लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत की भूमि भी है और इस विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन सामूहिक दायित्व है। राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों से प्रेरणा लेकर सत्य, धर्म, प्रेम, सद्भाव और कर्तव्य के मार्ग पर चलें तथा समाज एवं राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दें। इससे पूर्व राज्यपाल ने श्री मदनमोहन मंदिर, बोड़ेया में पूजा-अर्चना की और कामना की कि भगवान श्री मदनमोहन की कृपा सभी पर बनी रहे और सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आनंद का संचार हो।

आक्रांता मंदिर तोड़ सकता है, हमारी आस्था नहीं: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आक्रांता मंदिर तोड़ सकता है, लेकिन आस्था नहीं। वे मूर्तियां तोड़ सकते हैं, मंदिरों के ऊपर अपनी इमारत खड़ी कर सकते हैं, लेकिन वे हमारे मन में बसे श्रीराम-श्रीकृष्ण को कभी छू नहीं पाए। सोमनाथ मंदिर बार-बार टूटा, लेकिन भारत ने उसे बार-बार बनाया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर बार-बार टूटा, लेकिन आज यह अपनी अजेय पताका के साथ खड़ा है। काशी में बाबा विश्वनाथ का मंदिर भी बार-बार टूटा, लेकिन पहले लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर और आधुनिक भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ धाम के रूप में इसे भव्य स्वरूप दिया।

पुलिस लाइन लखनऊ में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने भारत को मिटाने और उसकी आस्था को नष्ट करने का प्रयास किया, वे स्वयं इतिहास के पन्नों में मिट गए। आज कोई उन्हें पूछने वाला नहीं। इसके विपरीत भारत आज भी जाग्रत है और अपनी शाश्वत यात्रा को लेकर आगे बढ़ रहा है। आज का यह आयोजन हम सभी को योगेश्वर श्रीकृष्ण के उस शाश्वत संदेश के साथ जोड़ता है, जो पिछले 5000 वर्षों से अधिक समय से सम और विषम परिस्थितियों में इस समाज का मार्गदर्शन कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण का जन्म जेल की काल कोठरी में होता है। जन्म अंधकार में होता है, लेकिन जीवन भर श्रीकृष्ण ने उन परिस्थितियों को परास्त करते हुए समाज को प्रकाश का मार्ग दिखाया। धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए प्रभु का अवतरण हुआ। यह धर्म कुछ और नहीं, बल्कि वही कर्तव्य है, जिसका पालन करते हुए श्रीकृष्ण को हमने कंस के विरुद्ध और महाभारत के युद्ध में भी देखा है। जीवन में जब भ्रम हो, संशय हो, तब कर्म की प्रेरणा प्रदान करने वाला श्रीकृष्ण का संदेश हम सभी को श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से प्राप्त होता है, हर सनातनी और हर भारतवासी बड़ी श्रद्धा के साथ उनका स्मरण करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य रहा कि मैं कल से आज दोपहर तक वृंदावन और मथुरा में ही था। वहां लाखों की संख्या में उमड़ा जनसैलाब था।

लोगों को न बरसात की चिंता थी, न गर्मी की, न सुविधा की और न ही किसी प्रकार का कोई संकोच। सभी के मन में एक ही भाव और एक ही भंगिमा थी कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि में दर्शन करना है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, बलदेव और नंदगांव, इन सभी क्षेत्रों में आज भी श्रीकृष्ण की वे स्मृतियां लोगों के मन में बसी हुई हैं। वहां लोग अनावश्यक रूप से पहाड़ों का खनन नहीं करते, पेड़ों की टहनियां नहीं तोड़ते और प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाते। उन्होंने ने कहा कि इंद्र अपनी पूजा कराना चाहते थे। श्रीकृष्ण ने कहा कि नहीं, जो हमारे अन्नदाता किसानों को और हमारे पशुपालकों को संरक्षण देता है, हमें उसकी पूजा करनी चाहिए। इसीलिए आज भी हम लोग पिछले 5000 वर्षों से गोवर्धन की पूजा कर रहे हैं। श्रद्धालु गोवर्धन की परिक्रमा करते हैं और लाखों की संख्या में वहां पहुंचते हैं। यह भाव हमें दिखाता है कि आक्रांता मंदिर तोड़ सकता है, लेकिन हमारी आस्था नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण का संदेश हम सबके लिए एक ही है कि कर्म क्षेत्र में अपने आप को पहचानो। आज प्रत्येक क्षेत्र में एक नई प्रतिस्पर्धा है। एक नए भाव के साथ पूरा देश आगे बढ़ने के लिए उत्सुक दिखाई देता है, लेकिन यह प्रतिस्पर्धा सकारात्मक होनी चाहिए। जिन लोगों ने आस्था को नष्ट करने का प्रयास किया था, उनका भाव नकारात्मक था, इसलिए वे स्वयं नष्ट हो गए।

'मशीन नहीं, इंसान बनाओ, यही एनईपी-2020 की पहली शर्त'

पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. निशंक ने नमो अध्ययन केन्द्र के संवाद में समग्र शिक्षा, भारतीय भाषाओं और मानवीय मूल्यों पर दिया जोर

सद्भावना टुडे,संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल तकनीकी रूप से दक्ष विद्यार्थी तैयार करना नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, संस्कार और मानवीय मूल्यों से संपन्न इंसान तैयार करना है। उन्होंने कहा, 'मशीन मत बनाओ, इंसान बनाओ। यही नई शिक्षा नीति की पहली शर्त है। डॉ. निशंक शुक्रवार को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सेंटर फॉर नमो स्टडीज (नमो अध्ययन केन्द्र) द्वारा डीएआईसी के सहयोग से आयोजित 'नमो विकसित भारत संवाद' श्रृंखला के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन: भारत में समावेशी, अभिनव, भविष्य के लिए तैयार उच्च शिक्षा और जेन-जी को सशक्त बनाना' था।

भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर जोर

पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में तकनीक और नवाचार के साथ-साथ मानवीय मूल्यों तथा भारत की सभ्यतागत ज्ञान परंपराओं का समावेश आवश्यक है। उन्होंने भारतीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी मातृभाषा में सीखने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अपनी प्राथमिक शिक्षा अपनी भाषा में करें। तमिलनाडु में तमिल में करें और केरल में मलयालम में करें।' उनके अनुसार भाषाई विविधता भारत की शक्ति है और शिक्षा व्यवस्था को इस विविधता का सम्मान करना चाहिए।

औपनिवेशिक विरासत से आगे बढ़ने की जरूरत

डॉ. निशंक ने कहा कि भारत को औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था की विरासत से आगे बढ़ते हुए अपनी समृद्ध बौद्धिक एवं ज्ञान परंपराओं से शिक्षा को दोबारा जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का संतुलित मेल ही भविष्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत आधार दे सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की ताकत काफी हद तक उसकी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। उन्होंने जेन-जी की रचनात्मकता, ऊर्जा और आकांक्षाओं को भारत के उभरते शैक्षिक दृष्टिकोण में शामिल करने पर जोर दिया।

दस शिक्षकों को 'विकसित भारत शिक्षक सम्मान 2026'

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षण और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए दस शिक्षकों को 'विकसित भारत शिक्षक सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह ने कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी अंका वर्मा ने कहा कि एनईपी-2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बनाने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव है।

शिक्षक हैं शिक्षा परिवर्तन की केंद्रीय कड़ी

नमो अध्ययन केन्द्र के सभापति प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा कि इस पहल ने एनईपी-2020, भारतीय ज्ञान प्रणालियों और जेन-जी युवाओं को एक मंच पर लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में वास्तविक बदलाव लाने में शिक्षक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान तीन सत्रों वाली कार्यशाला में विभिन्न शिक्षाविदों और अकादमिक विशेषज्ञों ने एनईपी-2020, तकनीक, कौशल, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षा के भविष्य पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में प्रो. लवली शर्मा, प्रो. पायल कंवर चंदेल, प्रो. रमन चड्ढा, डॉ. सैयद महरुल हसन, डॉ. श्रीदेवी कल्याण, प्रो. दिव्या तंवर, डॉ. आमना मिर्जा, डॉ. जावेद रहमानी तथा डीएआईसी के निदेशक कर्नल आकाश पाटिल सहित अनेक शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सेंटर फॉर नमो स्टडीज के इंटर्न्स ने भी तकनीक, कौशल, नवाचार और शिक्षा के भविष्य को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में तुषिता भंडारी, सविता, आसना, नदीम वारिस खान, एडवोकेट एम.एन. खान, खुशी मखीजा और डॉ. दौलत राम ने प्रमुख भूमिका निभाई।

अमेरिका में धोखाधड़ी केस में वांछित पंजाब का मंजीत सिंह बेदी जालंधर से गिरफ्तार

जालंधर,एजेंसी। पंजाब पुलिस ने अमेरिका में सरकारी सहायता योजना से जुड़े बहुचर्चित एसएनएपी फ्रॉड केस में वांछित भगोड़े आरोपित को जालंधर से गिरफ्तार किया है। इस संबंध में केंद्रीय एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है। आरोपित को जल्द ही अमेरिका की जांच एजेन्सी के हवाले किया जाएगा।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने शुक्रवार शाम इसकी पुष्टि करते हुए गिरफ्तारी को अंतरराष्ट्रीय भगोड़ों और संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से पंजाब निवासी मंजीत सिंह बेदी अमेरिका में सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्प्लिमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंट प्रोग्राम (एसएनएपी) योजना से जुड़े कथित लाभ धोखाधड़ी मामले में वांछित था। उसे अमेरिका में मोस्ट वांटेड फ्रॉडस्टर्स की सूची में शामिल किए जाने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार बेदी अप्रैल 2026 में कानून से बचने के लिए कनाडा के रास्ते भारत पहुंचा था। वह पंजाब में रहकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश कर रहा था। पंजाब पुलिस की टीमों ने उसके नेटवर्क और गतिविधियों को ट्रेस किया, जिसके बाद जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे काबू कर लिया। बताया जा रहा है कि बेदी वाशिंगटन के ताकोमा में ऐशियन ग्रॉसरी स्टोर के नाम से किराना दुकान चलाता था। उस पर एसएनएपी लाभार्थियों के इबीटी कार्ड के जरिए कथित तौर पर फर्जी लेन-देन करने के आरोप हैं। मामले में करीब 6 लाख डॉलर, यानी लगभग 5.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप भी सामने आया है। आरोप है कि अदालत की शर्तों के बावजूद बेदी अमेरिका से कनाडा पहुंचा और बाद में भारत आ गया। इसके बाद 21 मई 2026 को उसके खिलाफ अमेरिकी अदालत की ओर से संघीय गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पंजाब पुलिस के अनुसार, अब बेदी के भारत में संपर्कों और गतिविधियों की जांच की जा रही है। साथ ही अमेरिकी एजेंसियों और संबंधित विभागों के साथ तालमेल कर आगे की कानूनी कार्रवाई और संभावित प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर काम किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि भगोड़ों और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और सीमा पार कर कानून से बचने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)